• जयपुर, गुरुवार, 19 सितंबर 24 • वर्ष 14 • अंक 35 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया पीडब्ल्यूडी सेवा एप लॉंच...

पेज @4 कोतवाली निम्बाहेडा थाना पुलिस की कार्यवाही, मोबाइल चोरी की...

पेज @8 » एक दूसरे के साथ सहयोग की भावना से ही होगा समृद्धि का...

एमएनआईटी का 18वां दीक्षांत समारोह आयोजित

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश विश्वभर में अग्रणी बनेः राष्ट्रपति

राज्य सरकार शीघ्र ही युवा नीति 2024 लाएगी : मुख्यमंत्री

चमकता राजस्थान

जयपुर, 18 सितम्बर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश विश्वभर में अग्रणी बने। इसके लिए प्रौद्योगिकी संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण संस्थाओं को शोध अनुसंधान में मौलिक दृष्टि रखते हुए कार्य करने, पर्यावरण अनुकूल तकनीक अपनाने और विकसित भारत की संकल्पना के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का आ''ान किया।

श्रीमती मुर्मु बुधवार को एमएनआईटी के 18वें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने समारोह में 20 में से 12 स्वर्ण पदक छात्राओं को मिलने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि लड़कियां आगे बढ़ती हैं, तो देश तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने संस्थान की फैकल्टी में एक तिहाई महिलाएं होने को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश के प्रौद्योगिकी संस्थानों को नेशनल इंस्टीट्यूट के रूप में राष्ट्र महत्व के संस्थान का दर्जा दिया गया है कि ताकि इनके जरिए भारत तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़े।

राष्ट्रपति ने समारोह में 805 स्नातक, 477 स्नातकोत्तर और 79 पीएचडी विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की और 20 स्वर्ण पदक प्रदान कि ए। उन्होंने छात्रों के लिए निर्मित अरावली छात्रावास का लोकार्पण भी किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत 2047' की जो संकल्पना संजोई है, उसका मूल आधार यही है कि देश सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास की ओर आगे बढ़े। इसमें युवाओं की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से अर्जित तकनीकी ज्ञान का राष्ट्र के विकास में उपयोग करने पर जोर दिया।

बागडे ने एमएनआईटी में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विभाग की स्थापना की सराहना करते हुए कहा कि युवा टेक्नोक्रेट्स के लिए आने वाले समय में इससे महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यांत्रिक ज्ञान जरूरी है, परन्तु इस ज्ञान के साथ यदि नैतिक और मानवीय मूल्य जुड़े रहेंगे तभी हम सबका साथ, सबका विकास को सही मायने में सफलीभूत कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की बौद्धिक संपदा है। उन्हें देश के लोकतंत्र और बहुलता के आदर्शों को पू-री तरह से समझते हुए 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भारतीय संस्कृति और 'सर्वे भवन्तु सुखिन' के अंतर्गत सबके मंगल की कामना को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने सभी को राष्ट्र आराधना करते हुए देश और समाज की उन्नति के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को व्यसन मुक्त रहने और अपने अंदर नैतिक गुणों का अधिक से अधिक विकास किए जाने का आहवान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति के साथ तालमेल रखने, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने और जो भी काम मिले, उसे लगन से करने पर जोर दिया।

बागडे ने कहा कि प्रयास रहेगा कि राजस्थान के सभी विश्वविद्यालय नैक रैंकिंग प्राप्त करें। पूरे देश में राज्य के विश्वविद्यालय गुणवत्ता की शिक्षा में अग्रणी रहें। उन्होंने संस्थान के आचार्यों का आ''ान किया कि वे विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि के लिए कार्य करें। नई शिक्षा नीति की मंशा के अनुरूप विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा प्रदान करें, जिससे वे रोजगार पाने के योग्य नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रही है। सरकार द्वारा आगामी 5 वर्षों में चार लाख सरकारी भर्तियां की जाएगी। इस वर्ष भी एक लाख से अधिक पदों पर भर्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए युवा नीति-2024 तथा कौशल क्षमता विकास के लिए नई स्टेट स्किल पॉलिसी लाई जा रही है, जिससे युवाओं की प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो सके।

शर्मा ने कहा कि युवाओं को स्टार्टअप स्थापित करने तथा उनमें उद्यमिता बढ़ाने के लिए अटल एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम शुरू किया जा रहा है, जिसके माध्यम से युवाओं को देश-विदेश के उत्कृष्ट सीईओ का मार्गदर्शन मिलेगा। साथ ही, इसके तहत चयनित स्टार्टअप्स को 10 करोड़ रूपए तक की फंडिंग भी उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जयपुर, भरतपुर, बीकानेर और उदयपुर में एक हजार करोड़ रूपए की लागत से अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सीलरेटर्स स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हो सके।

शर्मा ने कहा कि तेजी से बदलते हुए परिदृश्य में विद्यार्थी अपनी विशेषज्ञता से न केवल नई तकनीक का विकास कर सकते हैं, बल्कि अनेक समस्याओं के समाधान में भी अपनी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे अपनी असीमित क्षमता का उपयोग करते हुए देश और प्रदेश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

एमएनआईटी के निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी ने संस्था का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि संस्थान को शोध और अनुसंधान में 15 पेटेंट मिले हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में एमएनआईटी विश्वभर में अग्रणी संस्थान बनेगा।

न्यूज अपडेट

इसरो की लॉटरी, चंद्रयान-4 के साथ तीन बड़े प्रोजेक्ट को मंजूरी

नयी दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की एक बैठक में इसरो से जुड़े कई प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई. इसमें चंद्रयान-4, शुक्र मिशन, इंडियन स्पेस स्टेशन और अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान विकसित करने जैसे प्रस्ताव शामिल हैं. इसरो पहले ही चांद पर अपने तीन मिशन भेज चुका है. चंद्रयान तीन ने चांद की सतह पर सफलतापूर्वक एक लैंडर और रोवर को उतारा था. इसके साथ ही कैबिनेट ने शुक्र मिशन को भी मंजूरी दे दी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इसरो से जुड़े कई प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई. इसमें चंद्रयान-4, शुक्र मिशन, इंडियन स्पेस स्टेशन और अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान विकसित करने जैसे प्रस्ताव शामिल हैं. कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद इसरो इन पर काम शुरू कर देगा. ये प्रोजेक्ट बहुत अहम और बड़े हैं. इसरो पहले ही चांद पर अपने तीन मिशन भेज चुका है. चंद्रयान तीन ने चांद की सतह पर सफलतापूर्वक एक लैंडर और रोवर को उतारा था. इसके साथ ही कैबिनेट ने शुक्र मिशन को भी मंजूरी दे दी है. इसरो पहले से ही मंगल मिशन पर काम कर रहा है.

'एक देश, एक चुनाव' पर मोदी सरकार की मुहर

नई दिल्ली/एजेंसी

'एक देश, एक चुनाव' पर मोदी सरकार ने मुहर लगा दी है. बुधवार को मोदी कैबिनेट ने देश में सभी चुनाव एक साथ करवाने के लिए बनी रामनाथ कोविंद कमिटी की रिपोर्ट के पास कर दिया. इसके बाद देश में 'एक देश, एक चुनाव' की राह से सस्पेंस दूर हो गया है. पिछले दिनों गृह मंत्री अमित शाह ने भी साफ किया था कि मोदी सरकार के इसी कार्यकाल में देश का यह सबसे बड़ा चुनाव सुधार लागू हो जाएगा. मोदी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अध्यक्षता में एक समिति बनाई थी. रामनाथ कोविंद कमिटी को जिम्मेदारी दी गई थी क कि वह देश मे एक साथ चुनाव करवाने की संभावनाओं पर रिपोर्ट दे. समिति ने अपनी रिपोर्ट इस साल मार्च में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी थी. बुधवार को मोदी कैबिनेट की बैठक में रिपोर्ट पर चर्चा की गई और ने सैद्धांतिक तौर पर मंजूरी दे दी गई.

कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब आगे क्या

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि कमिटी की सिफारिशों पर देश की सभी मंचों पर इस पर चर्चा की जाएगी. सभी नौजवानों, कारोबारियों, पत्रकारों समेत सभी संगठनों से इस पर बात होगी. इसके बाद इसे लागू करने के लिए ग्रुप बनाया जाएगा. फिर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर इसे लागू किया जाएगा।

कमिटी की क्या क्या सिफारिशें-

» पहले चरण में लोकसभा के साथ सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव हों

» दूसरे चरण में लोकसभा–विधानसभा के साथ स्थानीय निकाय चुनाव हों

» पूरे देश मे सभी चुनावों के लिए एक ही मतदाता सूची होनी चाहिए

» सभी के लिए वोटर आई कार्ड भी एक ही जैसा होना चाहिए

● गृह मंत्री भी कर चुके हैं एक देश एक चुनाव की वकालत

इस दौरान भी केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि इसी कार्यकाल में एक देश, एक चुनाव लागू करेंगे. बता दें कि बीजेपी ने अपने घोषणा पत्र में भी इसका वादा किया था. हाल ही में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी पीएम मोदी ने अपने भाषण में भी एक देश एक चुनाव का जिक्र किया था. उन्होंने कहा था कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति बनाई गई थी जिसने अपनी रिपोर्ट दे दी है. इस कार्यकाल में एक देश एक चुनाव होगा.

लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ बात कराने की बात कही जा रही है. हालांकि कई राजनैतिक एक देश एक चुनाव के पक्ष में नहीं है इसलिए वो नहीं चाहते कि एक देश एक चुनाव हो. वहीं मौजूदा सरकार के एजेंडे में एक देश एक चुनाव शामिल है और इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार की तरफ से कमेटी बनाई गई. कमेटी ने अपनी जो रिपोर्ट सौंपी है, उसी को कैबिनेट की तरफ से मंजूरी मिल गई है. हालांकि इसके लागू होने की लंबी प्रक्रिया है.

बिहार, यूपी और देश...अब सारे चुनाव होंगे एकसाथ! मोदी कैबिनेट ने उठा लिया कदम, बदल जाएगा सारा खेल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की वकालत की थी, जिसके बाद अब यह घटनाक्रम सामने आया है. पीएम मोदी ने तर्क दिया था कि बार-बार चुनाव होने से देश की प्रगति में बाधा पैदा होती है. 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विचार पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने से जुड़ा है, जिसका मतलब है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होंगे.

वन नेशन, वन इलेक्शन बीजेपी के चुनाव घोषणा पत्र में भी शामिल था. नरेंद्र मोदी की अगुआई में लगातार तीसरी बाद एनडीए की सरकार बनने के बाद मोदी सरकार ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर बड़ा फैसला लिया है. अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव पर अपनी मुहर लगा दी है. साल के शुरुआत में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्-यक्षता में हाई-लेवल कमेटी गठित की गई थी.

मोदी सरकार ने ले लिया एक्शन, बूंद-बूंद को तरसेगा जिन्ना का देश

भारत के पानी पर अब और मौज नहीं कर सकेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत के पानी पर पाकिस्तान बरसों से मौज काट रहा है, लेकिन अब यह दिन बदलने वाले हैं. भारत सरकार ने सिंधु जल संधि में बदलाव की मांग करते हुए पाकिस्तान को नोटिस भेजा है. सरकार से जुड़े शीर्ष सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान को दिए नोटिस में कहा गया है कि आज के हालात में उसी संधि को बनाए रखना संभव नहीं है और इसलिए इसमें बदलाव की जरूरत है.

भारत ने अपने नोटिस में यह भी कहा कि 1960 में अपनी स्थापना के बाद से ही एकतरफा जल संधि चली आ रही है और संधि के विभिन्न अनुच्छेदों का वास्तविक मूल्यांकन किए जाने की जरूरत है. भारत ने 30 अगस्त को यह नोटिस भेजा था, जो अब सामने आया है. इसमें कहा गया है कि सिंधु नदी के पानी का उपयोग और जनसांख्यिकी बदल रही है. इस बीच भारत स्वच्छ ऊर्जा की तरफ आगे बढ़ रहा है और ऐसे में हमें संधि में बदलाव पर विचार करना चाहिए.

भारत ने इस नोटिस में पाकिस्तान की ओर से लगातार जारी आतंकवादी गतिविधियों का भी जिक्र किया और कहा कि पाकिस्तान भारत की उदारता का अनुचित लाभ उठा रहा है, और ऐसे में इस संधि पर दोबारा से सोचने की जरूरत है.

भारत और पाकिस्तान के बीच 19 सितंबर, 1960 को सिंधु जल समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे. इसमें सिंधु नदी में जुड़ने वाली सहायक नदियों के पानी के बंटवारे और इसके सही इस्तेमाल को लेकर नियम बनाए गए थे.

जम्मू-कश्मीर में दोपहर 3 बजे तक 50.7% वोटिंग

कश्मीर/एजेंसी

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए वोटिंग जारी है और लोगों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है. जम्मू-कश्मीर में 24 विधानसभा सीटों पर दोहपर 3 बजे तक 50.7 फीसदी मतदान हुआ है. दोपहर 1 बजे तक यह आंकड़ा 41.17% प्रतिशत था. किश्वाड़ में अब तक सबसे ज्यादा 70.03 प्रतिशत वोटिंग हुई है. इससे पहले जम्मू-कश्मीर में मतदान के शुरुआती 2 घंटों में 11.1 प्रतिशत मतदान हुआ है. जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं. पिछली बार 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में वोटिंग प्रतिशत 60.3 रहा था. ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार वोटिंग प्रतिशत में इजाफा होगा.

हरियाणा चुनाव सत्ता का चक्रव्यूह

गत 16 सितंबर को हरियाणा में नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि समाप्त हो गयी। प्राप्त समाचारों के अनुसार राज्य में 190 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस ले लिया है। नाम वापस लेने वालों में भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस के कई बागी उम्मीदवार भी शामिल हैं। इनमें सिरसा विधानसभा की सीट ऐसी भी है जहां बीजेपी प्रत्याशी रोहतास जांगड़ा ने भी अपना नामांकन वापस ले लिया है। रोहतास जांगड़ा ने मीडिया को बताया कि पार्टी के कहने पर ही उन्होंने पर्चा दाखिल किया था और पार्टी के कहने पर ही उन्होंने अपना नाम वापस भी ले लिया है। कयास लगाये जा रहे हैं कि सिरसा विधानसभा सीट पर अब भाजपा हरियाणा लोकहित पार्टी के प्रमुख पूर्व मंत्री गोपाल कांडा को अपना समर्थन दे सकती है।

खबर है कि इस 'सौदेबाजी' के तहत गोपाल कांडा की हरियाणा लोकहित पार्टी रानियां सीट पर अपने उम्मीदवार न देकर भाजपा उम्मीदवार को समर्थन दे सकती है। अंबाला की दो विधानसभा सीटों को लेकर भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। अंबाला शहर की सीट पर भाजपा ने यहां से दो बार विधायक रहे असीम गोयल को तीसरी बार भी मैदान में उतरा है। गोयल, नायब सिंह सैनी के मंत्रिमंडल में पहली बार राज्य मंत्री भी बनाये गए हैं। कांग्रेस के दो मजबूत बागी उम्मीदवारों पूर्व विधायक जसबीर मलोर तथा युवा नेता हिम्मत सिंह के नामांकन पत्र भरने की वजह से असीम गोयल के लिये तीसरी बार भी यह सीट जीतना आसान लग रहा था। पर नामांकन पत्र वापस लेने के अंतिम दिन सांसद दीपेंद्र हुडा ने स्वयं अंबाला पहुंचकर कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी व पूर्व मंत्री चौधरी निर्मल सिंह के पक्ष में इन दोनों कांग्रेस नेताओं के नामांकन वापस करा दिये। इसके बाद अब यह माना जा रहा है कि निर्मल सिंह की जीत का रास्ता प्रशस्त हो गया है। उधर अंबाला छावनी की सीट पर गत छः बार के विधायक रहे पूर्व गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं। उनका मुकाबला वैसे तो कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी परिमल परी से है जो पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। परन्तु इसी सीट पर चित्रा सरवारा भी निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रही हैं। चित्रा सरवारा कांग्रेस के अंबाला शहर के प्रत्याशी व पूर्व मंत्री चौधरी निर्मल सिंह की बेटी हैं। 2019 तक चौधरी निर्मल सिंह कांग्रेस में थे। बाद में कांग्रेस छोड़कर कुछ समय के लिये आम आदमी पार्टी में भी शामिल हुये। कुछ समय पूर्व ही पिता-पुत्री की पुनः 'घर वापसी' हुई है। चित्रा 2019 में भी विज के विरुद्ध निर्दलीय चुनाव लड़कर 44 हजार वोट ले चुकी थीं इसलिये इस बार वह कांग्रेस से टिकट मांग रही थीं। परन्तु पार्टी ने एक ही जिले से पिता पुत्री को एक साथ टिकट न देने का निर्णय तो लिया। परन्तु जिस सक्रियता से निर्मल सिंह के विरुद्ध लड़ने जा रहे दो बागियों के नाम वापस कराये गये उसी तरह स्वयं निर्मल सिंह की बेटी ने अपना नामांकन कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी परिमल परी के पक्ष में वापस क्यों नहीं लिया इस बात को लेकर रहस्य बना हुआ है।

बहरहाल नामांकन वापस लेने के बाद अब 90 विधानसभा के लिये 5 अक्टूबर को होने वाले इस चुनाव में विभिन्न दलों के कुल 1031 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना हरियाणा चुनावी दौरा भी शुरू कर दिया है। गत दिनों मोदी जम्मू कश्मीर से एक चुनावी सभा संबोधित करने के बाद कुरुक्षेत्र की जन आशीर्वाद रैली में पहुंचे। यहाँ उनके भाषण में मुख्यतः कांग्रेस ही निशाने पर रही। उन्होंने कांग्रेस पर परिवारवाद व भ्रष्टाचार का आरोप तो लगाया ही साथ ही यह भी बताया कि किस तरह कांग्रेस शासित राज्य वित्तीय संकट से बुरी तरह जूझ रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में कथित आर्थिक संकट का जिक्र किया तथा उनकी जनता को मुफ़्त दी जाने वाली योजनाओं पर निशाना साधा तथा वित्तीय संकट के लिये इसी "रेवड़ी कल्चर' को जिम्मेदार ठहराया। हिमाचल प्रदेश का नाम लेकर उन्होंने कई उदाहरण भी दिये। हालांकि प्रधानमंत्री के इस आरोप का जवाब देने के लिये कांग्रेस की ओर से अगले ही दिन पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने चंडीगढ़ में एक प्रेस वार्ता की। चिदंबरम ने कांग्रेस शासित राज्यों में आर्थिक संकट के आरोपों को सिरे से खारिज किया और कहा कि प्रधान मंत्री मोदी हमेशा सही नहीं बोलते। हर राज्य की स्थितियां अलग होती हैं। उल्टे चिदंबरम ने हरियाणा की भाजपा सरकार से ही बेरोजगारी, कर्ज और किसानों के मुद्दों पर आंकड़ों के साथ सवाल किये।

उधर तीसरी बार सत्ता में वापसी को आतुर दिखाई दे रही भाजपा के प्रत्याशियों को अनेक विधानसभा क्षेत्रों में जनता खासकर किसानों के भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यहाँ तक कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पूर्व हल्के नारायणगढ़ के भाजपा प्रत्याशी को भी किसानों ने कुछ गावों में घुसने नहीं दिया और नारेबाजी कर उन्हें वापस जाने के लिये मजबूर किया। इसी तरह अनिल विज को भी अपने क्षेत्र में ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। उधर कांग्रेस पार्टी जो कुछ समय पहले तक राज्य में 'क्लीन स्वीप' करती दिखाई दे रही थी उसमें अब 'डैमेज कंट्रोल ' की जरुरत आ पड़ी है। इसका मुख्य कारण है पार्टी की भीतरी गुटबाजी व इसके कारण पैदा होने वाले विवाद। दरअसल पिछले दिनों हरियाणा में तेजी से एक वीडिओ वायरल हुआ जिसमें कथित रूप से कोई भूपेंद्र हुड्डा समर्थक बुजुर्ग, कुमारी शैलजा के बारे में जातिसूचक अपमानजनक टिप्पणी करता सुनाई दिया। यह वीडिओ कांग्रेस विरोधियों द्वारा यही कहकर प्रसारित की गयी कि 'यह कांग्रेस का दलित विरोधी चेहरा है'।

कौन करवाता है योजनाबद्ध धर्मांतरण

आरके सिन्हा

भारत के प्रत्येक नागरिक को किसी धर्म को मानने या ना मानने या फिर किसी भी धर्म से जुड़ने का अधिकार संविधान देता है, पर किसी प्रलोभन या गलतफहमी में योजनाबद्ध रूप से किसी तरह के धर्मांतरण को अपराध माना गया है । इस आलोक में उत्तर प्रदेश की एक विशेष अदालत द्वारा हाल ही में अवैध धर्म परिवर्तन के मामले में दोषी करार दिये गये 12 लोगों को उम्रकैद और चार अन्य दोषियों को 10-10 वर्ष कैद की सजा सुनाना महत्वपूर्ण है। अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक, धर्मांतरण करवाने के धंधे से जुड़े शातिर लोगों को भारतीय दंड संहिता की धारा 121 ए (राष्ट्रद्रोह) के तहत सजा सुनायी गई। विशेष लोक अभियोजक एमके सिंह के मुताबिक, उमर गौतम और मामले के अन्य अभियुक्त एक साजिश के तहत धार्मिक उन्माद, वैमनस्य और नफरत फैलाकर देशभर में अवैध धर्मांतरण का गिरोह चला रहे थे। उनके तार कई दूसरे देशों से भी जुड़े थे। इसके लिए आरोपी हवाला के जरिए विदेशों से धन भेजे जाने के मामले में भी लिप्त थे। वे आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं और दिव्यांगों को लालच देकर और उन पर अनुचित दबाव बनाकर बड़े पैमाने पर उनका धर्म परिवर्तन करा रहे थे। उमर गौतम को मुफ्ती काजी जहांगीर आलम कासमी के साथ 20 जून 2021 को दिल्ली के जामिया नगर से गिरफ्तार किया गया था। वह एक ऐसे अवैध संगठन का संचालन कर रहा था जो उत्तर प्रदेश में मूक-बधिर छात्रों और गरीब लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित कराने में शामिल था । इस बात की पुरजोर आशंका जताई जा रही है कि इसके लिए उसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से धन मिलता था। उमर गौतम पहले हिंदू था । लेकिन , उसने मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लिया और धर्मांतरण कराने के अवैध धंधे में सक्रिय हो गया। उसने करीब एक हजार गैर मुस्लिम लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित कराया और उनकी मुस्लिमों से दूसरी या तीसरी शादी कराई है। देखिए, भारत में धर्म परिवर्तन को लेकर बहस तो होती रही है , होनी भी चाहिये। भारतीय संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसमें स्वेक्षा या स्वविवेक से धर्म बदलने का अधिकार भी शामिल है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 में धार्मिक स्वतंत्रता और धर्म बदलने के अधिकार की बात तो कही गई है। पर उमर गौतम और उनके साथी तो गरीब-गुरुबा लोगों को लालच और जोर-जबरदस्ती से धर्मांतरण करवा रहे थे। गौतम और उनका गिरोह भूल गया था कि धर्म परिवर्तन सामाजिक एकता को कमजोर कर सकता है और समाज में भयंकर नफरत पैदा कर सकता है। भारत में धर्म परिवर्तन एक संवेदनशील मुद्दा है , जिसमें कानूनी, धार्मिक और सामाजिक सभी पहलू शामिल

हैं। कुछ साल पहले केरल के प्रतिष्ठित फिल्म निमार्ता निर्देशक अली अकबर और उनकी ईसाई पत्नी लूसीअम्मा ने आर्य समाज में हवन के जरिए हिन्दू धर्म अंगीकार कर लिया था। आर्य समाज के स्वामी जी द्वारा उनका नया नामकरण भी कर दिया गया है। अली अकबर को नया नाम मिला था राम सिम्हन। हिन्दू धर्म ही क्यों ? यह प्रश्न पूछे जाने पर अली अकबर ने कहा था, 'क्योंकि हिंदू धर्म कोई धर्म नहीं बल्कि एक संस्कृति है। यहां नर्क में जाने का डर नहीं है। आप एक इंसान की तरह जी सकते हैं क्योंकि भगवान आपके अंदर हैं। अपने भीतर ईश्वर को देखना एक महान विचार है।' कहते हैं कि राम सिम्हन केरल में हिंदू धर्म अपनाने वाले पहले मुसलमान थे लेकिन , यह राम सिम्हन के स्वविवेकेपूर्ण निर्णय को दशार्ता है । इसपर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिये! एक बात बहुत साफ है कि किसी को लालच देकर या जोर जबरदस्ती धर्मांतरण करवाना तो कतई सही नहीं माना जा सकता है। समझ नहीं आता कि कुछ धर्मों से जुड़े लोग क्यों इसी फिराक में रहते हैं कि उनके धर्म से अन्य धर्मों को मानने वाले जुड़े जाएं। गुस्ताखी माफ, कई इस्लामिक और ईसाई संगठन इसी कोशिश में रहते हैं कि दूसरे धर्म को माननेवाले उनके मजहब का हिस्सा बन जाएं ? यह कोई बात हुई क्या ? फिर यदि बाकी धर्मों को मानने वाले लोग भी यही करने लगें , तो समाज में भाईचारा कहाँ और कैसे बचा रहेगा ।अगर कोई अपने मन से उस धर्म को त्याग देता है ,, जिसमें उसका जन्म हुआ है तब तो कोई बात नहीं है। उदाहरण के रूप में म्युजिक डायरेक्टर रहमान को ही लेते हैं। उन्होंने खुद ही हिन्दू धर्म को छोड़कर इस्लाम को स्वीकार कर लिया। उनके परिवार के बाकी सदस्यों ने भी इस्लाम अपना लिया। यहां तक तो सब ठीक है। पर कुछ तत्व सुदूर इलाकों में रहने वालों को अपना पाले में लाने की जुगाड़ में रहते हैं। इस सबकी तो हमारा संविधान अनुमति नहीं देता। जब गौतम जैसों पर एक्शन होता है तो कुछ कथित बुद्धजीवी अलाप करने लगते हैं। पिछले कई सालों से पंजाब से खबरें आ रही हैं कि राज्य में दलित सिखों को लालच देकर ईसाई धर्म से जोड़ा जा रहा है। मेरे संज्ञान में एक एक सच्ची घटना है जो मैं शेयर कर रहा हूँ।। लगभग दस वर्ष पहले मुझे अपने एक स्कूल के खेल शिक्षक के बारे में पता चला कि उसने त्यागपत्र दे दिया है और अगले महीने से हमें एक खेल शिक्षक नियुक्त करना होगा । मैंने उसे बुलाया और पूछा कि तुम्हारी तकलीफ क्या है ? उसने बताया कि मुझे कोई तकलीफ नहीं है । पर आप जितना वेतन मुझे दे रहे हैं, उससे दस या बीस गुना कमाने का जरिया मुझे मिल गया है । मुझे घर मरम्मत के लिये पैसों की सख़्त जरूरत थी । मुझे पता चला कि मेरे इलाके में एक नया चर्च बना है उसके पादरी जरूरतमंदों की मदद करते हैं। मैं उनके पास गया । उन्होंने कहा कि मदद करूँगा । लेकिन , तुम्हें हर रविवार चर्च आकर प्रार्थना करनी होगी।मुझे तरीका आसान सा लगा । उन्होंने मुझे सपरिवार(पति - पत्नी , मेरी विधवा माँ और दो बच्चों को) ईसाई बनने के लिये बीस हजार प्रति व्यक्ति की दर से एक लाख रुपये दिये ।बाद में पता चला कि मेरे जिस पड़ोसी ने मुझे ईसाई बनने का लालच दिया और पादरी से मिलवाने ले गया उसे भी इतना ही पैसा मिला । तो मुझे लगा कि इस तरह धर्म प्रचार करके तो ज्यादा कमाया जा सकता है तो मैंने इस्तीफा दे दिया ।वह आज भी धड़ल्ले से गाँव - गाँव जाकर देवभूमि उत्तराखंड को ईसाई भूमि बनाने में लगा है । पहले हाफ पैंट और टीशर्ट पहनकर साइकिल से घूमता था । अब सलीके के सूट पहनकर चमचमाती कार में घूमता है । ऐसे एक नहीं अनेक धर्म भ्रष्ट लालची लोग आपको हर इलाके में मिल जाएँगे

यह सवाल अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण है कि क्या भारत में धर्म प्रचार की अनुमति जारी रहनी चाहिए? कभी कभी लगता है इस मसले पर देश में बहस हो ही जाए कि क्या भारत में धर्म प्रचार की स्वतंत्रता जारी रहे अथवा नहीं ? देखा जाए तो केवल धर्म पालन की स्वतंत्रता होनी चाहिये। धर्म के प्रचार- प्रसार की छूट की कोई आवश्यकता ही नहीं। धर्म कोई दुकान या व्यापार तो है नहीं जिसका प्रचार प्रसार करना जरूरी हो। अगर हम इतिहास के पन्नों को खंगाले तो देखते हैं कि भारत के संविधान निमार्ताओं ने सभी धार्मिक समुदायों को अपने धर्म के प्रचार की छूट दी थी। क्या इसकी कोई आवश्यकता थी? बेशक, भारत में ईसाई धर्म की तरफ से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस और ईमानदारी से काम किया गया है। पर कहने वाले कहते हैं कि उस सेवा की आड़ में धर्मांतरण का ही मुख्य लक्ष्य रहा है। उधर, इस्लाम का प्रचार करने वाले बिना कुछ किए ही धर्मांतरण करवाने के मौके खोजते हैं। हालांकि मुसलमानों की शिक्षण संस्था अंजुमन इस्लाम ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। ये मुंबई में सक्रिय है। अब आप देखें कि आर्य समाज, सनातन धर्म और सिखों की तरफ से देश में सैकड़ों स्कूल, कॉलेज, अस्पताल वगैरह चल रहे हैं। पर इन्होंने किसी ईसाई या मुसलमान का धर्मांतरण का कभी प्रयास नहीं किया। आपको अपने धर्म को मानने की तो अनुमति होनी चाहिए, पर अपने धर्म का प्रचार करने या धर्मांतरण करने की इजाजत तो नहीं दी जा सकती।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

समरसता का सनातन संदेश

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

सनातन धर्म में समरसता का भाव समाहित है। समय समय पर अनेक मनीषियों ने इसके अनुरूप आचरण का संदेश दिया। नाथ सम्प्रदाय में भी समरसता को बहुत महत्व दिया। महान संत महंत अवैद्यनाथ श्री राम कथा के माध्यम से जन मानस को समरसता की प्रेरणा देते है। उनके शिष्य योगी आदित्यनाथ इसी भाव से कार्य करते है। भारतीय दर्शन में जीवन का चौथा चरण सन्यास आश्रम होता है। लेकिन आध्यात्मिक प्ररेणा से किसी भी अवस्था में सन्यास ग्रहण किया जा सकता है। इस परम्परा में बालक, युवा और वृद्ध सभी लोग सम्मिलित है। हमारी परंपरा में इस प्रकार के सन्यास जीवन पर अमल करने वाले अनगिनत उदाहरण है। सन्यास आश्रम के साथ समाज सेवा को जोड़कर चलने की भी परम्परा रही है। इस मार्ग का अनुसरण करने वालों ने निजी जीवन सन्यास को अपनाया, इसी के साथ उसमें समाज सेवा का भी समावेश किया। इस प्रकार के उदाहरणों की भी कमी नहीं है। योगी आदित्यनाथ सन्यास की इसी परम्परा पर चल रहे है। वह निजी जीवन में सन्यास आश्रम की मयार्दाओं का अमल करते है। इसके साथ ही समाज सेवा के प्रति भी समर्पित है। सन्यास और समाज सेवा का सामंजस्य उनके आचरण में परिलक्षित होता है।

सन्यास व समाज की यह भावभूमि उन्हें लोगों के कष्ट पर व्यथित करती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश की संचारी रोग आपदा का लोकसभा में वर्णन करते हुए उनकी आँखें छलक जाती है। मुख्यमंत्री बने तो इस समस्या के समाधान पर ध्यान दिया। इस मामले में अभूतपूर्व सफलता मिली है। कई क्षेत्रों में सत्तर से अस्सी प्रतिशत तक सुधार हुआ है। सुधार की प्रक्रिया जारी है। समाज के प्रति उनकी संवेदना दिखाई देती है। उनके पूर्व आश्रम के पिता का निधन होता है। योगी को सूचना मिलती है, प्रदेश में कोरोना आपदा है, वह आपदा प्रबंधन की बैठक जारी रखते है,मन की व्यथा को रोकते है, आंसू पोछ लेते है। जरुरतमन्दों के भोजन इलाज आदि की व्यवस्था करते है।

प्रदेश की जनता के प्रति जिम्मेदारी का निर्वाह करते है। पूर्व आश्रम पिता के अंतिम संस्कार में नहीं जाते है।योगी आदित्यनाथ ने केंद्र की योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित किया। इसका सकारात्मक परीणाम दिख रहा है।हमारा देश अति विशाल एवं समृद्ध संस्कृति वाला है परन्तु अनेकता में एकता इसके मूल में समाहित है। अपनी विविधता के लिए भारत पूरे विश्व में विख्यात है। जैसे बगीचे में फूलों के अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं और इकट्ठा होकर एक माला का रूप लेते हैं उसी प्रकार सभी प्रदेश मिलकर भारत माता की आकृति का रूप लेते हैं और हम सब उसी भारत माता के सपूत हैं। विभिन्न भाषा और संस्कृति के बावजूद सभी भाषाओं में एकरूपता दिखाई पड़ती है, संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। भाषा और भेष अलग-अलग हो सकते हैं पर हम सब की संस्कृति की मूल धारणा एक है। योगी आदित्यनाथ ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में ह्यसमरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान विषयक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने संतों और ऋषियों की परंपरा को समाज और देश को जोड़ने वाली परंपरा बताते हुए आदि शंकर का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ऋषियों संतों की परंपरा सदैव जोड़ने वाली रही है। इस संत-ऋषि परंपरा ने प्राचीन काल से ही समतामूलक और समरस समाज को महत्व दिया है। संत परंपरा ने समाज में छुआछूत और अस्पृश्यता को कभी महत्व नहीं दिया। यही नाथपंथ की भी परंपरा है। नाथपंथ ने प्रत्येक जाति, मत, मजहब, क्षेत्र को सम्मान दिया। सबको जोड़ने का प्रयास किया। नाथपंथ ने काया की शुद्धि के माध्यम से एक तरफ आध्यात्मिक उन्नयन पर जोर दिया। समाज के हरेक तबके को जोड़ने के प्रयास किए। महायोगी गुरु गोरखनाथ जी की शब्दियों,पदों और दोहों में समाज को जोड़ने और सामाजिक समरसता की ही बात है। उनकी गुरुता भी सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए प्रतिष्ठित है। मलिक मुहम्मद जायसी ने भी कहा है बिनु गुरु पंथ न पाइये, भूलै से जो भेंट, जोगी सिद्ध होई तब, जब गोरख सौं भेंट।

संत कबीरदास जी भी उनकी महिमा का बखान करते हैं तो गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं, गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग निगम नियोग सों। संत साहित्य की परंपरा, इसकी श्रृंखला गुरु गोरखनाथ के साहित्य से आगे बढ़ती है। नाथपंथ की परंपरा के अमिट चिह्न सिर्फ देश के हर कोने में ही नहीं हैं बल्कि विदेशों में भी हैं। तमिलनाडु के सुदूर क्षेत्रों की नाथपंथ की पांडुलिपियां प्राप्त हुई हैं। यहां गोरखनाथ जी से जुड़े अनेक साधना स्थल और नाथपंथ की परंपराएं आज भी विद्यमान हैं। कर्नाटक की परंपरा में जिस मंजूनाथ का उल्लेख आता है, वह मंजूनाथ गोरखनाथ जी ही हैं। महाराष्ट्र में संत ज्ञानेश्वर दास की परंपरा भी मत्स्येंद्रनाथ जी, गोरखनाथ जी और निवृत्तिनाथ जी की कड़ी है। महाराष्ट्र में रामचरितमानस की तर्ज पर नवनाथों की पाठ की परंपरा है। पंजाब, त्रिपुरा, असम,बंगाल आदि राज्यों के साथ ही वृहत्तर भारत और नेपाल, बांग्लादेश, तिब्बत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान समेत अनेक देशों में नाथपंथ का विस्तार देखने को मिलेगा।

देश, काल और परिस्थितियों के अनुरूप नाथपंथ ने अपनी भूमिका को सदैव समझा। जब देश पर बाहरी आक्रमण शुरू हो गए थे तब नाथपंथ के योगियों ने सारंगी वादन के जरिये समाज को देश पर आए खतरे के प्रति जागरूक किया। महायोगी गोरखनाथ जी ने गोरखपुर को अपनी साधना से पवित्र किया। संतों और ऋषियों की समाज और देश को जोड़ने वाली रही है। प्राचीन काल से ही समतामूलक और समरस समाज को महत्व दिया है। संत परंपरा ने समाज में छुआछूत और अस्पृश्यता को कभी महत्व नहीं दिया। यही नाथपंथ की भी परंपरा है।

'एक देश एक चुनाव' अमृतकाल की अमृत उपलब्धि बने

ललित गर्ग

नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी ने ह्यएक देश एक चुनावह्ल के अपने चुनौतीपूर्ण संकल्प को लागू करने की बात कहकर राजनीतिक चर्चा को गरमा दिया है। भारत के लोकतंत्र की मजबूती एवं चुनावी प्रक्रिया को अधिक प्रासंगिक एवं कम खचीर्ला बनाने के लिये 'एक देश एक चुनाव' पर चर्चा होती रही है। इसको लेकर भाजपा जिस तरह बेझिझक होकर तेजी से आगे बढ़ रही है, उससे अंदाजा लगाया जा रहा कि केंद्र को सहयोगी दलों का पूरा समर्थन मिल रहा।

दो बड़े दलों में से एक जेडीयू ने मोदी के 'एक देश एक चुनाव' वाले इरादे पर सहमति जता दी है। कहा गया कि राजग सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल के भीतर इस महत्वपूर्ण चुनाव सुधार को लागू कराने को लेकर आशावादी है और उसके इस आशावाद में देश को एक नई दिशा मिल सकेगी। भारत की वर्तमान चुनावी प्रणाली में निहित कई चुनौतियों का समाधान करने के लिए 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा एक संभावित समाधान के रूप में उभरी है। शासन के सभी स्तरों- पंचायत, नगरपालिका, राज्य और राष्ट्रीय- में एक साथ चुनाव कराने से लागत (खर्च)-प्रभावशीलता और प्रशासनिक दक्षता से लेकर बेहतर शासन और नीति निरंतरता तक कई लाभ मिल सकते हैं। यह नये भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत के संकल्प को आकार देने का मुख्य आधार बन सकता है एवं आजादी के अमृतकाल की एक अमृत उपलब्धि बनकर सामने आ सकता है।

भले ही स्पष्ट बहुमत के अभाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग की तीसरी पारी में बदलावकारी फैसले लेना उतना सहज नहीं रह गया है, जितना पहली-दूसरी पारी में नजर आता था। लेकिन भाजपा की सरकार इतनी भी कमजोर नहीं है कि अपने चुनावी वायदों एवं विकासमूलक कार्ययोजनाओं को लागू न कर सके। नरेन्द्र मोदी जैसा साहसी एवं करिश्माई नेतृत्व है तो उसके द्वारा देशहित की योजनाओं में आने वाले अवरोध वह दूर कर ही लेंगे। एक दशक की विकासमूलक कार्यशैली के बाद अब भी भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर अपनी योजनाओं को अंजाम तक पहुंचाने में

जुटी है। भले ही भाजपा-सरकार कई मुद्दों पर यू टर्न लेते हुए भी नजर आई। बहरहाल, लोकसभा में पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति होने के बावजूद खुद को साहसिक निर्णय लेने वाली पार्टी के रूप में एक बार फिर अपने एक मुख्य एजेंडे 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को आकार देने के लिये तत्पर हो गयी है। इसके लिए सरकार ने पक्ष-विपक्ष के सभी नेताओं से एक साथ आने का अनुरोध किया था। निस्संदेह, एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिये भाजपा द्वारा नई पहल किए जाने के निहितार्थ राजनीति से ज्यादा राष्ट्रहित में है।

निश्चिय ही ह्यएक देश एक चुनावह्ल की योजना को लागू करना राजग के लिये बड़ी चुनौती होगी क्योंकि इस बार विपक्ष पहले के मुकाबले मजबूत भी है और एकजुट भी है। इसमें दो राय नहीं कि यह बात तार्किक है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रयास शासन में सुनिश्चितता लाएगा। वहीं बार-बार के चुनाव खचीर्ले होते हैं। दूसरे राज्य-दर-राज्य लंबी आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य भी बाधित होते हैं। साथ ही साथ शासन-प्रशासन व सुरक्षा बलों की ऊर्जा के क्षय के अलावा जनशक्ति का अनावश्यक व्यय होता है।

विगत लोकसभा चुनावों में कुल सरकारी खर्च 6600 करोड़ रुपये आया था जो भारत जैसे विविधतापूर्ण विशाल देश को देखते हुए भले ही जायज कहा जाये, लेकिन बार-बार होने वाले चुनावों से होने वाले ऐसे भारी-भरकम खर्चे देश की अर्थ-व्यवस्था पर बोझ तो डालते ही है। भारत में भ्रष्टाचार की जड़ भी महंगी होती चुनाव व्यवस्था है क्योंकि जब करोड़ों रुपये खर्च करके कोई विधानसभा या लोकसभा का प्रत्याशी जनप्रतिनिधि बनेगा तो वह विजयी होने के बाद सबसे पहले अपने भारी खर्च की भरपाई करने की कोशिश करेगा। अतः असल में बात सम्पूर्ण चुनावी व्यवस्था के सुधार की होनी चाहिए। मगर इसकी बात करने पर सभी राजनैतिक दलों में एक सन्नाटा पसर जाता है। लेकिन पक्ष एवं विपक्ष को अपने राजनीतिक हितों की बजाय देशहित को सामने रखकर इस मुद्दे पर आम सहमति बनानी चाहिए। पारदर्शी व निष्पक्ष चुनाव के लिये एक साथ चुनावी मशीनरी तथा सुरक्षा बलों की उपलब्धता के यक्ष प्रश्न को भी सामने रखकर इस पर सकारात्मक रूख अपनाना चाहिए और इसके सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आम सहमति बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, भारत हमेशा से राजनीतिक विचारधाराओं, विविध संस्कृतियों और विशाल आबादी का मिश्रण रहा है। हर गुजरते चुनाव चक्र के साथ, राष्ट्र लोकतांत्रिक उत्साह का महाकुंभ देखता है, जहां लाखों लोग अपने वोट के अधिकार का प्रयोग करते हैं और अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं। हालाँकि, इस जीवंत लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बीच, विभिन्न स्तरों- स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय-पर चुनावों के समन्वय को लेकर बहस ने हाल के वर्षों में काफी जोर पकड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने एक दशक के शासन एवं पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से किए गए अपने संबोधन में ह्यएक देश, एक चुनावह्ल की जोरदार वकालत की थी और कहा था कि बार-बार चुनाव होने से देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होंने राजनीतिक दलों से लाल किले से और राष्ट्रीय तिरंगे को साक्षी मानकर राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा द्वारा जारी चुनाव घोषणापत्र में उसने ह्यएक देश, एक चुनावह्ल को प्रमुख वादों के रूप में शामिल किया था।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित एक उच्च स्तरीय समिति ने इस साल मार्च में पहले कदम के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की। समिति ने राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय राजनीतिक दलों के साथ परामर्श किया और संभावित अनुशंसाओं के साथ आम लोगो एवं न्यायविदों के विचार आमंत्रित किये। समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की भी सिफारिश की। इसके अलावा, विधि आयोग भी 2029 से एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश कर सकता है। असल में बात सम्पूर्ण चुनावी व्यवस्था के सुधार की होनी चाहिए। मगर इसकी बात करते हुए सभी राजनैतिक दलों के सामने निजी हित एवं चुनाव जीतने का गणित सामने आ जाता है। भारत की असली विडम्बना यही है। जब भी सरकारी खर्चे से चुनाव कराने की बात होती है तो इस राह को अव्यावहारिक बता दिया जाता है। जबकि जर्मनी जैसे लोकतन्त्र में यह प्रणाली सफलतापूर्वक काम कर रही है। दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानमंडलों के चुनाव एक साथ प्रत्येक पाँच वर्ष पर आयोजित किये जाते हैं, जबकि नगर निकाय चुनाव प्रत्येक दो वर्ष पर आयोजित किये जाते हैं। स्वीडन में राष्ट्रीय विधानमंडल, प्रांतीय विधानमंडल/काउंटी कौंसिल और स्थानीय निकायों/नगर निकाय सभाओं के चुनाव एक निश्चित तिथि, यानी हर चौथे वर्ष सितंबर के दूसरे रविवार को आयोजित किये जाते हैं। ब्रिटेन में ब्रिटिश संसद और उसके कार्यकाल को स्थिरता एवं पूवार्नुमेयता की भावना प्रदान करने के लिये निश्चित अवधि संसद अधिनियम, 2011 पारित किया गया था। इसमें प्रावधान किया गया कि प्रथम चुनाव 7 मई 2015 को और उसके बाद हर पाँचवें वर्ष मई माह के पहले गुरुवार को आयोजित किया जाएगा।

जब दुनिया के अनेक देशों में 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की परम्परा सफलतापूर्वक संचालित हो रही है तो भारत में इसे लागू करने में इतने किन्तु-परन्तु क्यों है? देश में इसे लागू करने से सरकार कुछ-कुछ समय बाद चुनावी मोड में रहने के बजाय शासन यानी विकास योजना पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकती है। इससे समय एवं संसाधनों की भी बचत होगी। एक साथ चुनाव कराने से मतदान प्रतिशत भी बढ़ेगा, क्योंकि लोगों के लिए एक साथ कई मत डालना आसान हो जाएगा। इन सब स्थितियों के साथ-साथ एक साथ चुनाव कराये जाने पर क्षेत्रीय पार्टियों को होने वाले नुकसान एवं अन्य स्थितियों पर भी ध्यान देना होगा। क्योंकि एक आदर्श एवं सशक्त लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दलों के लिये समान अवसर उपलब्ध होना भी जरूरी है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया पीडब्ल्यूडी सेवा एप लॉंच

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को अगले दो माह फील्ड में रहने के दिये निर्देश

दीपावली से पहले सड़के सुधारे: उपमुख्यमंत्री

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को अगले दो माह लगातार फील्ड मे मॉनिटरिंग करके बरसात से खराब हुई सड़को को दिपावली से पहले सही करवाने के निर्देश दिए है। बुधवार को निर्माण भवन मे आयोजित विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होनें यह निर्देश दिए। उन्होनें सभी मुख्य अभियंताओं को सात-सात दिन लगाातार फील्ड में रहकर सड़क कार्यों की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए है।

गारंटी अवधि की सड़क वही ठेकेदार ठीक करे-

उन्होने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सड़को की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए। ऐसी व्यवस्था की जाये की सड़क बनाने वाला ठेकेदार ही गांरटी अवधि में सड़क खराब होने पर अनिवार्य रूप से सड़क को सुधारे। यदि इसके लिए नियमों मे कोई संशोधन करना हो तो करे । उन्होनें सड़को की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना मॉडल के प्रावधानों को शामिल करने के निर्देश भी दिए। रिपेयरिंग के दौरान भी वही सामग्री इस्तेमाल की जाये जो निर्माण के दौरान इस्तेमाल की गई है।

विभाग से जनता का सीधा जुडाव है, निश्चित समय में काम पूरे हो

» उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह डायरेक्टली जनता से जुडा हुआ विभाग है। हमे कमिटमेंट पर खरा रहना है और उसको पूरा भी कराना है। उन्होनें निर्देश दिए कि ऐसा सिस्टम विकसित किया जाये जिसमे डीपीआर बनाने से लेकर, कार्य आदेश जारी होने एवं निर्माण पूरा होने तक के लिए एक निश्चित टाईम टेबल सेट किया जाये ताकि लोगों को सुविधाओं का समय पर लाभ मिल सके।

पीडब्ल्यूडी सेवा एप लॉंच

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर राजस्थान पीडब्ल्यूडी सेवा ऐप लॉन्च किया। उन्होनें कहा कि यह ऐप प्रदेश की सड़को की गुणवत्ता सुधार एवं उसको बरकरार रखने में मजबूत निरीक्षण प्रणाली विकसित करेगा। सार्वजनिक निर्माण विभाग में शिकायतों के समाधान (सड़क, भवन आदि) और संबंधित अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के लिए एक ऑनलाइन निरीक्षण और शिकायत प्रबंधन (राजस्थान पीडब्ल्यूडी सेवा) विकसित की गई है। इस पहल का उदेशय सड़कों, भवनो आदि की गुणवत्ता को बरकरार रखते हुए सिस्टम में पारदर्शिता, दक्षता जवाबदेही को बढाना है। इस प्रकार करेगा काम- संबंधित अधिकारी द्वारा वर्ष मे दो बार (छ माह में एक बार) सड़क के प्रत्येक किलोमीटर एवं भवन का नियमित निरीक्षण किया जाना अनिवार्य है। संबधित अधिकारी द्वारा किए गए निरीक्षण की जियो टेगिग फोटो ऐप पर अपलोड होगी। अधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान की गई टिप्पणी जैसे संतोषप्रद, असंतोषप्रद मय फोटो और आवशयक कार्य का विवरण संबधित संवेदक को उसकी ईमेल पर प्राप्त होता है। संवेदक द्वारा इसकी अनुपालना किए जाने की रिपोर्ट भी मय सुधार कार्य के फोटो सहित संबधित अधिकारियों को अनुमोदन हेतु प्राप्त होती है।
गौरतलब है कि सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा विकसित किए गए इस ऐप पर सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री सहित जेईएन स्तर तक के अधिकारियों एवं लगभग 8000 संवेदको की आईडी मेप की गई है।
इस दौरान उन्होनें एनएचएआई, एनएच, आरएसएचए, आरएसआरडीसी के कार्यों एवं बजट घोषणाओं की प्र्गति की समीक्षा की। इस दौरान राज्यमंत्री मंजु बाघमार, प्रमुख शासन सचिव प्रवीण कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव डी आर मेघवाल सहित अन्य अधिकारी गण मौजुद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सुभाष चौधरी ने जीता स्वर्ण पदक

चमकता राजस्थान। जयपुर। मुम्बई में आयोजित 7th एन एस सी आई स्ककी सुपर क्लिनिक ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में जयपुर के सुभाष चौधरी ने अंडर 19 वर्ग में गोल्ड पदक जीत राजस्थान का नाम रोशन किया कोच खांगा राम चौधरी ने बताया कि सुभाष नीरजा मोदी स्कूल 9३ँ क्लास का विद्यार्थी है और 1२३ राउंड में महाराष्ट्र के नारायण मनोहर लच्का को 11-5,11-6,11-7, से प्री क्वार्टर में महाराष्ट्र के वेदान्त छेड़ा को 10-12,11-6,4-11,11-8,11-3से क्वार्टर फाइनल में महाराष्ट्र के एकमबीर सिंह को 10-12,11-3,7-11,11-4,11-5 से सेमी फाइनल में महाराष्ट्र के प्रियान ठक्कर को 8-11,7-11,11-9,11-3,11-0 से और फाईनल में तामिलनाडु के मयप्पन एल को 11-8,11-5,7-11,12-10 से हराया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। स्ककि सुपर क्लिनिक के निदेशक देव और क्लब मेम्बर राकेश जैन ने सुभाष चौधरी को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया

स्वच्छता की दौड़ - अधिशाषी अधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

चमकता राजस्थान/धौलपुर(रामदास तरुण)। बाड़ी उपखण्ड में स्वच्छता पखवाड़े के तहत 17 सितंबर 24 से 2 अक्टूबर तक

स्वच्छता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के क्रम में आज दिनांकः-18/09/2024 को स्वच्छता की दौड़ को अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बाड़ी रविन्द्र कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।
स्वच्छता दौड़ का उद्देशय नागरिकों को एकत्रित कर यह सन्देश घर-घर तक पहुंचना है! कि अपने आस - पास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखे। यह दौड़ चन्दशेखर आजाद गेट से तहसीलदार तिवारिया तक प्रस्तावित थी, किन्तु लगातार बारिश होने के कारण दौड़ को सीमित किया गया। दौड़ में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों, कचरा वाहनों के चालक, हेल्पर ने भागीदारी ली। स्वच्छता दौड़ गतिविधि में सफाई निरीक्षक सीताराम शर्मा, एमआईएस मैनेजर विवेक मीना, टीम बेसिक्स सिटी इंचार्ज हरिसिंह राजपूत, कवित्त कुमार, प्रमोद कुमार, किशोरी भटेले, सतीश गुर्जर, मोनिका शर्मा उपस्थित रहे।

पाँचना के पानी पर सिंचाई मंत्री से हुई सकारात्मा बार्ता

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह) पाँचना के पानी का बँटबारा करने ' तथा पाँचना से बाणगंगा नदी को जोड़ने की माँग को लेकर मंगलवार को भरतपुर में राज्य के सिंचाई मंत्री सुरेश रावत ने पहलकर संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मण्ड ल से पानी के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की यह मिटिंग सकारात्मक रही और संघर्ष समिति द्वारा सिंचाई मंत्री द्वारा लगातार दो बार की पहल के लिये मंत्री का आभार प्रकट किया और उन्हें धन्यवाद दिया । मंत्री ने पानी की माँग पर सहमति जताई । किसान नेता और पूर्व जिला पार्षद इन्दल सिंह जाट ने बताया कि प्रतिनिधि मण्डल में भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज भारद्राज ' भाजपा नेता गिरधारी तिवाड़ी ' समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने सिंचाई मंत्री से बार्ता की और पानी को दोनों माँगों को प्रमुखता से रखा जिस पर मंत्री सुरेश रावत ने माँगो को उचित बताया और सहमति व्यक्त करते हुऐ लिखित में माँग पत्र देने की बात कही । माँग पत्र के लिये शीघ्र पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन के साथ बैठक कर माँग पत्र तैयार करके राज्य के सिंचाई मंत्री को प्रस्तुत किया जायेंगे । गौरतलव रहे कि सिंचाई मंत्री द्वारा पानी के मुद्दे की गम्भीरता को ध्यान में रखते हुये विगत दिनों में भी भरतपुर आगमन पर पूर्व सांसद पंडित रामकिशन और प्रमुख लोगों से बातचीत करने की इच्छा प्रकट की थी और मंगल बार को भी पुनः पानी के विषयों पर चर्चा करने की इच्छा प्रकट की लेकिन पूर्व सांसद पंडित रामकिशन ' इन्दल सिंह जाट और मोहन सिंह गुर्जर काला पहाड़ आन्दोलन में व्यस्त होने के कारण चर्चा में शामिल नहीं हो सके । लेकिन सिंचाई मंत्री की पहल पर सभी प्रमुख व्यक्तियों ने खुशी जाहिर करते हुऐ मंत्री को धन्यवाद दिया हैं । पाँचना बाँध के पानी को बाँटने एवं बाँध को बाण गंगा नदी के पथैना कैनाल के पास जोड़ने की माँग से जुड़े प्रमुख व्यक्तियों का प्रतिनिधि मन्डल जल्दि ही दुबारा सिंचाई मंत्री से मुलाकात कर माँग पत्र देंगे ।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को शीघ्र ही मिलेगा सप्ताह में 3 दिन दूध : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री ने बजट घोषणा को जल्द लागू करने के दिये निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर, 18 सितम्बर।उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदेश के 62 हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले लगभग 36 लाख बच्चों को सप्ताह में 3 दिन दूध उपलब्ध करवाने हेतु प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।
उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को शासन सचिवालय में महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं (आई सी डी एस) ओ पी बुनकर की उपस्थिति में आयोजित बैठक में उक्त निर्देश दिए।
उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के परिवर्तित बजट के बिन्दु संख्या 88 में आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को उचित पौष्टिक आहार के रूप में सप्ताह में तीन दिन दूध उपलब्ध करवाये जाना है। इस हेतु क्रय किये जाने वाले मिल्क पॉवडर पर 200 करोड रूपये वार्षिक व्यय किये जायेंगे।
बैठक में अतिरिक्त निदेशक मेघराज सिंह मीना, उपनिदेशक आईसीडीएस डॉ. मंजु यादव तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देश पर अजमेर जिले में खानपुरा से अर्जुन लाल सेठी नगर सड़क की 40 लाख रूपये लागत से होगी मरम्मत

चमकता राजस्थान

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं अजमेर जिले की प्रभारी मंत्री दिया कुमारी के निर्देश पर अजमेर में टूटी सड़कों के सुधार की कार्यवाही शुरू हो गई है। सार्वजनिक निर्माण विभाग ने खानपुरा से अर्जनलाल सेठी नगर होते हुए हाइवे तक सड़क की मरम्मत के लिए 40 लाख रूपए की स्वीकृति जारी की है।
दिया कुमारी ने हाल ही में सार्वजनिक निर्माण विभाग को निर्देश दिए हैं कि अजमेर में टूटी सड़कों को यथाशीघ्र सुधारा जाए। जो सड़कें अभी गारंटी पीरियड में हैं, उन्हें ठेकेदार को पाबंद कर सुधरवाया जाए। इसी कड़ी में सार्वजनिक निर्माण विभाग ने खानपुरा से अर्जुन लाल सेठी नगर होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग तक की सड़क की विशेष मरम्मत के लिए 40 लाख रूपए की स्वीकृति जारी की है। इस सड़क के सही होने से खानपुरा, अजमेर डेयरी और आसपास से आने वाले वाहनों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

उप चुनाव से पूर्व वार रूम में डोटासरा ने लिया कार्यकर्ताओ से फीडबैक

चमकता राजस्थान। जयपुर। राजस्थान प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा उप चुनावों की तैयारियों हेतु प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा तथा एआईसीसी के राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा ने प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम में दौसा, झुंझुनूं, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूम्बर एवं रामगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के महत्वपूर्ण कांग्रेस नेताओं एवं पदाधिकारियों की बैठक लेकर संगठनात्मक फीडबैक लिया तथा चुनाव हेतु रणनीतिक चर्चा कर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव व मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने सभी संभाग, जिला एवं
विधानसभा प्रभारियों तथा जिलाध्यक्षों को इन विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्येक मण्डल में बैठक लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा करने के साथ ही संगठनात्मक मजबूती हेतु कार्य करने तथा चुनावों हेतु फीडबैक प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया है। बैठक में निर्णय लिया गया है कि संबंधित क्षेत्र के प्रभारियों द्वारा मण्डल स्तर पर बैठक लेने के पश्चात प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा इन सभी विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे तथा पार्टी की विशाल जनसभाएं आयोजित की जाएगी जिसमें कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेतागण भाग लेंगे।
गोविन्द सिंह डोटासरा तथा एआईसीसी प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा ने बैठक में उपस्थित सभी कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा उप चुनावों की तैयारियों हेतु जुट जाने के निर्देश प्रदान किए तथा कहा कि सभी उपस्थित कांग्रेसजन अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी को विजयी बनाने का संकल्प लेकर क्षेत्रों में जाएं और प्रतिदिन जनसम्पर्क अभियान जैसे कार्यों में जुटकर केन्द्र एवं राजस्थान की भाजपा सरकार की विफलताओं तथा जनविरोधी नीतियों को उजागर करें।
प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरूद्ध भारतीय जनता पार्टी व सहयोगी दलों के नेताओं द्वारा अमर्यादित टिप्पणी किए जाने की निंदा की है और भाजपा नेताओं द्वारा की गई अमर्यादित एवं अशोभनीय टिप्पणियों के विरोध में डोटासरा के नेतृत्व में गुरुवार 19 सितम्बर, को प्रातः 11.00 बजे जयपुर स्थित शहीद स्मारक, गर्वमेंट हॉस्टल के पास, जयपुर पर प्रदेश कांग्रेस द्वारा धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। धरने में कांग्रेस सांसद व प्रत्याशी, विधायक व प्रत्याशी, पदाधिकारीगण, नगर निकाय एवं पंचायत राज संस्थाओं के जनप्रतिनिगणों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भाग लेंगे।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कराने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

गांव बरौलीछार में असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध हथियार दिखाकर फैलाई दहशत व देर रात गांव के ही एक व्यक्ति के साथ हुई लूटपाट से जुड़ा मामला

चमकता राजस्थान

नदबई (राजवीर सिंह) क्षेत्र के गांव बरौलीछार में सोमवार सांय करीब 5 बजे बाइक सवार असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध हथियार दिखाते हुए दहशत फैलाने व उसी रात करीब 10 बजे गांव के ही एक व्यक्ति के साथ मारपीट करते हुए लूटपाट करने के मामले में पुलिस की कार्यवाही से असंतुष्ट ग्रामीणों ने बुधवार को उप खंड अधिकारी गंगाधर मीणा को सौंपा ज्ञापन। ग्रामीणों ने सौंप गए ज्ञापन द्वारा अवगत कराया है कि गाँव बरौलीछार थाना नदबई में सोमवार 16 सितंबर को सांय करीब 5 बजे एक मोटरसाईकिल पर दो असामाजिक व्यक्ति अपने हाथों में अवैध देशी कट्टे को लहराते हुए गाँव के चारो तरफ परिक्रमा मार्ग पर घूम घूमकर लोगो में भय व्यात किया। साथ ही उसी दिन को रात्रि करीब 10 बजे गाँव बरौलीछार निवासी हुकम सिंह पुत्र बलजीत यादव के साथ हितेश पंडित की बिजली के पास उक्त मोटरसाईकिल पर बैठे हुये व्यक्तियों द्वारा अवैध कट्टे के बट से सिर में मारी जिससे सिर में चोटे आई और हुकमसिंह से एक बैग जिसमें 20 हजार की नगदी सहित एक मोबाईल, एटीएम कार्ड ,पैन कार्ड, आधार कार्ड व पहचान पत्र रखे हुये थे, को लूटकर बदमाश ले गये। अगर उक्त आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो ऐसे असामाजिक व्यक्तियो द्वारा गाँव में अन्य किसी व्यक्ति के साथ भी घटना की पुनरावृति की जा सकती है। इसी स्थिति में,असामाजिक व्यक्तियों को गिरफतार किया जाना व उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही किया जाना न्याय व सामाजिक दृष्टिकोण को रखते हुये न्यायहित में अति आवशयक है। अगर उक्त व्यक्तियों को पांच दिवस के अन्दर गिरफ्तार नहीं किया गया तो गाँव समाज के प्रबुद्ध नागरिको की तरफ से उचित अन्दोलन को मजबूर होना पडेगा, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रशासन की होगी। साथ ही ज्ञापन के अंत में उक्त असामाजिक तत्वों को अतिशीघ्र गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही किये जाने का निवेदन किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व विधायक मुक्तिलाल मोदी के स्मारक की साफ सफाई कर किया स्वच्छता पखवाड़े का श्री गणेश

चमकता राजस्थान। कोटपूतली बहरोड (धर्मेंद्रबंसल)। कोटपूतली के समाजसेवी रतनलाल शर्मा द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों तथा भामाशाहों की स्मारकों पर साफ सफाई तथा सार संभाल का बीड़ा उठाया गया है। इसी मुहिम के अंतर्गत रतनलाल शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा यहां के नगर पालिका पार्क में स्थित पूर्व विधायक व स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय मुक्तिलाल मोदी की स्मारक पर साफ सफाई एवं उनकी सार संभाल कर स्वच्छता पखवाड़े का श्री गणेश किया । आपको बता दें कि पूर्व विधायक मोदी को कोटपूतली एवं इसके परिक्षेत्र की जनता एक विकास पुरुष, युग पुरुष एवं जन सेवक के रूप में देखती है। कोटपूतली क्षेत्र में जितने भी विकास के कार्य हुए हैं उन सभी को अंजाम देने वाले मुक्तिलाल मोदी ही हैं, जिसमें बिजली, पानी अस्पताल, कॉलेज, सड़क के अलावा जो भी विकास कार्य करवाए गए थे वह सभी मोदी जी की ही देन है। शर्मा ने बताया कि मोदी जी को वो भगवान के रूप में देखते हैं, जिन्होंने पूरे जीवन निस्वार्थ भाव से समाज की, कोटपूतली के लोगों की भलाई में एवं विकास कार्य में अपना संपूर्ण जीवन नौछावर कर राष्ट्र एवं समाज का नाम रोशन कर गए। ऐसे महापुरुष की मूर्ति की साफ सफाई करने पर मैं और हमारी टीम अपने आप को गौरवान्वित महसूस करती है। शर्मा ने महापुरुषों के स्मारकों की सफाई करने की जो प्रतिज्ञा ले रखी है, उसे वह निश्चित रूप से पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। समाजसेवी शर्मा के साथ उनके टीम के सदस्यों के अंतर्गत अनूप बंसल दिलीप अशोक, रोशन सैनी मयंक योगी, हर्षित सेन शुभम शर्मा एवं शोभित सेन शामिल रहे।

जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम कल

- **जिला कलक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा कार्यक्रम**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 18 सितंबर। जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए कल यानि 19 सितंबर 2024 (गुरुवार) को जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिला की जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला कलक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि एवं समस्त संबंधित विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी भाग लेंगे।जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव भी जुड़ेंगे। जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लेंगे। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी जनसुनवाई में भाग लेकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करेंगे।इससे पहले गुरुवार को ही जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक प्रातः 10:30 बजे आयोजित की जायेगी। बैठक में समिति में दर्ज प्रकरणों पर गहनता से चर्चा की जायेगी।

प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती के मुख्य आतिथ्य में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) दिनांक 18 सितम्बर, 2024 को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे की ओर से स्टेशन रोड स्थित खाना खजाना गार्डन में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा झुंझुनू के जिलाध्यक्ष शोकत अली चौहान की अध्यक्षता में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे की सदस्यता अभियान की जिला कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती मुख्य अतिथि रहें।मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा झुंझुनू सहित प्रदेशभर में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के घर-घर जाकर पार्टी के सदस्य बनाएंगे।आगामी दिनों में झुंझुनू में होने वाले उपचुनाव को लेकर कहा कि झुंझुनू का अल्पसंख्यक समुदाय निःसंकोच हो कर भाजपा को जिताने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा मुसलमानों को गुमराह करने का काम किया है, भाजपा ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो मुसलमानों का विकास कर सकती है। मोर्चे की कार्यशाला में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश उपाध्यक्ष आसिफ खान, अय्यूब खान, जंग बहादुर पठान प्रदेश मंत्री मुराद अली शेख,आलम शोकिन, सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने आम आदमी पार्टी छोड़ कर आये आजम राठौड़ को समर्थको के साथ पार्टी का दुपट्टा पहना कर मोबाइल ऐप के माध्यम से भाजपा में शामिल किया।

निंबाहेड़ा कोतवाली पुलिस के ए एस आई सूरज कुमार की टीम का बड़ा खुलासा

कोतवाली निम्बाहेडा थाना पुलिस की कार्यवाही, मोबाइल चोरी की घटना का 48 घण्टो मे खुलासा

दिन दहाड़े चोरी हुये 6 लाख रुपए मुल्य के मोबाईल बरामद दो अंतर्राज्यीय चोर मध्यप्रदेश से गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (बाबू अग्नानी) कोतवाली निंबाहेड़ा थाना पुलिस ने दिन दहाड़े मोबाइल चोरी की घटना का 48 घंटे में खुलासा करते हुए चोरी के दो अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है 6 लाख रूपए मुल्य के 20 मोबाइल बरामद कियेजिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि दिनांक 14 सितंबर 2024 को प्रार्थी राजेश सेन निवासी रावजी का आटा उदयपुर थाना घण्टाघर जिला उदयपुर हाल सेल्समेन अग्रवाल ऐजेन्सी उदयपुर ने एक रिपोर्ट पेश की कि में अग्रवाल एजेन्सी उदयपुर जो कि ढडउड मोबाइल के डिस्ट्रीब्युटर है मै उनके वंहा सेल्समेन के पद पर कार्यरत हुं वंहा से में निम्बाहेडा मार्केट करने आया था जिस पर दिनांक 13 सितम्बर 2024 को विभिन्न व्यापारियो को मोबाईल देने के लिए उदयपुर ओफिस पर पोको कम्पनी के 20 मोबाईल बस से मंगवाये जिस पर उदयपुर ओफिस से राजधानी बस के चालक प्रहलाद मालवीय को दिया जिस पर दिनांक 13 सितम्बर 2024 को दोपहर 2.30 बजे में बस स्टेण्ड पहुंचा तो ड्राईवर प्रहलाद ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति आया था जो यहा बस में पार्सल पडा था जो लेकर चोरी करके ले गया रिपोर्ट करता हुं कि अज्ञात चोर की तलाश कर मोबाईल बरामद करावे। वगैरा रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान सूरज कुमार सहायक उप निरीक्षक थाना कोतवाली निम्बाहेडा के जिम्मे होने से अनुसधांन किया गया।

100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों को किया डिटेन

घटना को ट्रेस आउट कर मुल्जिमान को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए गये। जीस पर पर्वत सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व बद्री लाल राव पुलिस उप अधीक्षक वृत निम्बाहेडा के नेतृत्व में राम सुमेर मीणा पु.नि. थानाधिकारी कोतवाली निम्बाहेडा द्वारा अनुसंधान अधिकारी सूरज कुमार स.उ.नि. मय जाब्ता की टीम गठित की गई। दौराने अनुसंधान घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गये एवं फुटेज मे संदिग्ध दो व्यक्ति दिखने पर उनके जाने वाले रास्ते पर निम्बाहेडा नीमच रतलाम तक लगभग 100 से अधिक कैमरे पे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियो के जाने वाले रास्तो को खंगाला गया सीसीटीवी फुटेज मे आने वाले संदिग्ध व्यक्तियो के फोटो मौतबिर, मौजीज, मुखबिरो को बताया गया। पुलिस टीम ने 48 घण्टे मे लगातार अभियुक्तो की तलाश की काफी प्रयास के बाद ए.एस. आई सूरज कुमार को जरिये मुखबिर खास से सूचना मिली की सीसीटीवी फुटेज मे दिखने वाले आरोपी अभी नीमच बस स्टेण्ड पर बैठे है। जिस पर सहायक उप निरीक्षण सूरज कुमार मय जाप्ता अविलम्ब नीमच बस स्टेण्ड पर पहुचे जहा पर सीसीटीवी फुटेज मे दिखाई दे रहे हुलिये के दोनो व्यक्ति बैठे हुये नजर आये जिनको सउनि सूरज कुमार मय जाप्ता ने घेरा देकर पकडकर नाम पता पुछा तो उनमे से एक ने अपना नाम विनोद पिता धन्ना लाल जाति सुर्यवंशी उम्र 32 साल निवासी मन्याखेडी थाना रिंगनोद जिला रतलाम मध्यप्रदेश तथा दुसरे ने अपना नाम शिवराज सिंह पिता जगदीश सिंह जाति राजपुत उम्र 23 साल निवासी लसुल्डिया थाना नलखेडा जिला आगर मालवा मध्यप्रदेश बताया इस पर ए.एस.आई. सूरज कुमार मय टीम द्वारा अभियूक्त विनोद व शिवराज सिंह को डिटेन किया जाकर थाने पर लाकर पुछताछ की गई तो बताया कि हम दोनो दोस्त है तथा हम दोनो अक्सर बस स्टेण्ड व रेलवे स्टेशनो पर घुमते फिरते रहते है। हम निम्बाहेडा मे रहकर ही मजदुरी का काम करते है। हमने अक्सर देखा है कि उदयपुर से निम्बाहेडा आने वाली प्राइवेट बसो मे उदयपुर से किसी न किसी सामान के पार्सल रोज आते रहते है। जिस पर हम निम्बाहेडा बस स्टेण्ड आकर उदयपुर से आने वाली बस का इंतजार करने लगे जिस पर करीब 2.30 पीएम पर एक बस उदयपुर से आकर बस स्टेण्ड निम्बाहेडा पर रूकी बस रूकते ही बिना विलम्ब किये मैने बस मे चढकर देखा तो एक पार्शल पड़ा था उसको उठाकर मै व मेरा दौस्त शिवराज सिंह वहा से वापस नीमच की तरफ चले गये थे। वगैरा-वगैरा बताया पुछताछ हर दोनो अभियूक्तगण ने निम्बाहेडा बस स्टेण्ड से बस से पार्सल चोरी करने की घटना कारित करना स्वीकार किया जिस पर हर दोनो अभियुक्तों को गिरफतार किया जाकर न्यायालय से पीसी रिमाण्ड प्राप्त कर अनुसंधान किया गया। चोरी हुये ढडउड कम्पनी के 6 लाख रुपए मुल्य के 20 मोबाईल बरामद किये गये। अभियूक्तगणो से गहनता से अनुसंधान किया जा रहा है जिससे अन्य जगहो पर की चोरी की वारदोतो का खुलासा होने की संभावना है।

तरीका वारदातः- उक्त दोनो अभियूक्तगण कई दिनो से निम्बाहेडा नीमच रतलाम व कई अन्य जगह घुम फिरकर रैकी कर रहे थे कि कौन कौन सी बसे कहा से आती है तथा कहा कहा से आने वाली बसो मे पार्शल व अन्य किमती सामान आता है। उस पर नजर रखते है और मौका देखकर वारदात को अंजाम देते है।

कार्यवाही का खुलासा करने वाली पुलिस टीम ए.एस. आई सूरज कुमार कानि देवेन्द्र, विरेन्द्र, शिशपाल

चुरू जिले में सरदारशहर थाना पुलिस की कार्रवाई

बसों में यात्रियों की अटैचियों से जेवरात चोरियों के मामलों का किया खुलासा, तीन गिरफ्तार

- **मनोवैज्ञानिक व तकनीकी विधियों से 5 दिन में मिली पुलिस को सफलता**

चमकता राजस्थान

जयपुर/चूरू!(खलील कुरैशी) 18 सितम्बर। चूरू जिले की सरदारशहर थाना पुलिस की टीम ने बसों में यात्रियों की बैग व अटैचियों से सोने-चांदी के गहने-चोरी होने के मामले का खुलासा कर चोर गिरोह के तीन सदस्यों अनिल कुमार सांसी पुत्र प्रताप सिह (29) निवासी भाटला थाना हांसी सदर जिला हिसार, वीरभान सांसी पुत्र चरण सिह (36) निवासी लुहारी राघो थाना नारनौद जिला हिसार एवं रामकुमार सांसी पुत्र रुपचंद (60) निवासी गगन खेडी थाना हांसी सदर जिला हिसार हरियाणा को गिरफ्तार किया है ,एसपी जय यादव ने बताया कि भादासर उतरादा निवासी रामचन्द्र जाट ने रिपोर्ट दी की 12 सितम्बर को मेरी पत्नी दोपहर करीब 12.40 बजे कच्चा बस स्टेण्ड से धीरासर जाने वाली बस मे बैठी थी। अज्ञात चोर मेरी पत्नी की अटैची का लॉक तोड़कर अंदर रखे करीब 7 लाख के गहने व नगदी चोरी कर ले गये। इस पर पर प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान एसआई मंगु राम द्वारा शुरू किया गया।एसपी यादव ने बताया कि अवैध गतिविधियो की रोकथाम एवं अपराधियो की धरपकड के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेन्द्र दादरवाल एवं सीओ अनिल कुमार माहेश्वरी के सुपर विजन मे एसएचओ अरविंद कुमार व एसआई मंगुर मय टीम द्वा-रा आसुचनाओं के आधार पर गुप्त सूचना संकलन कर मुल्जिम अनिल कुमार, वीरभान व रामकुमार को गिरफ्तार किया है जिनसे चोरी के माल की बरामदगी व अन्य वारदातों के बारे मे पूछताछ जारी है।

- **वारदात करने का तरीका**

गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध अलग-अलग थानों मे चोरी, नकबजनी सहित विभिन्न धाराओं मे काफी मुकदमे दर्ज है। मुल्जिम भीड़ भाड़ वाली बसो मे पहले रैकी कर चढ़ जाते है। जिसके साथ वारदात करनी होती है, उसके आगे पीछे खड़े हो जाते हैं। फिर उसका ध्यान भटका कर अटैची, बैग से जेवरात व नगदी वगैरह निकाल लेते है।

चुनाव सुधारों की दिशा में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' ऐतिहासिक कदम : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 18 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वा-रा स्वीकार करने के निर्णय को चुनाव सुधारों में अभूतपूर्व कदम बताया है। शर्मा ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से लोकतंत्र और समृद्ध होगा, चुनाव खर्चे में कमी आएगी तथा पारदर्शिता बढ़ेगी। इस दूरदर्शी निर्णय से देश में विकासात्मक कार्यों को गति मिलेगी एवं राजनीतिक स्थिरता भी सुनिश्चित होगी।उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की बैठक में बुधवार को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के संबंध में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया है।

जांगिड़ समाज के 17 वें विवाह सम्मेलन की तैयारियां को लेकर महत्वपूर्ण बैठक का हुआ आयोजन

विवाह सम्मेलन की तैयारियां को लेकर तय किये महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश और हुआ पोस्टर विमोचन

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर (खलील कुरैशी) दुर्गा इंजिनियरिंग वर्कस मनोखपुर में जांगिड ब्राह्मण सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति त्रिवेणी धाम, शाहपुरा अध्यक्ष-धर्मेन्द्र कुमार जगिड (भामोद वाले) की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन हुआ बैठक में 13 अक्टूबर को आयोजित होने वाले युवक-युवति परिचय सम्मेलन एवं 12 नवम्बर 2024 को 21 जोडी का विवाह सम्मेलन जो होने जा रहा है. उसकी तैयारियां और व्यवस्थाओं को लेकर बैठक का आयोजन किया गया इस दौरान सर्व प्रथम विश्वकर्मा भगवान की पूजा-अर्चना करके 17 वे विवाह सम्मेलन एवं 13 अक्टूबर को आयोजित होने वाले परिचय सम्मेलन के बारें में खुलकर परिचर्चा की गयी तथा इसके साथ ही विवाह सम्मेलन पोस्टर का विमोचन तहसील अध्यक्ष राजेश जांगिड व पूर्व अध्यक्ष मामराज चिचावा के कर कमलों के द्वारा किया गया। इस मौके पर समिति अध्यक्ष - धर्मेन्द्र कुमार भामोद वाले ने सभी कार्यकर्ताओं अलग-2 कार्यों की जिम्मेदारी देने पर अपना अनुमोदन दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने मुखर रूप से अपने - अपने विचार रखे 13 अक्टूबर 2024 को परिचय सम्मेलन व 12 नवम्बर 2024 देव उठनी एकादशी होने वाले विवाह सम्मेलन को सफल बनाने हेतु समितियों बनाकर कार्य करने पर प्रकाश डाला। मुख्य संरक्षक लखन लाल जांगिड ने अपने विचार रखले हुये भामाशाहों व वृद्धजनो को सम्मान करने पर जोर दिया। महामंत्री राधेश्याम-रतनपुरा ने सरकार से जोड़ों को अनुदान दिलाने पर प्रकाश डाला।

- **विवाह सम्मेलन की समुचित व्यवस्था एवं कार्यों का दायित्व निर्धारण कर विवाह सम्मेलन को सफल बनाने पर किया गया विचार विमर्श : मामराज चिचावा**

पूर्व अध्यक्ष मामराज चिचावा ने खूब प्रचार प्रसार करने के लिये कार्य कत्ताओं से आग्रह किया। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष मदन लाल हडसोलिया, पूर्व कोषाध्यक्ष साइराम विदारा, कोषाध्यक्ष-मोहन लाल आमेरिया,सहकोषाध्यक्ष-रामायतार जांगिड, उपाध्यक्ष, बाबू लाल खोजाला, वरिष्ठः उपाध्यक्ष - बृजमोहन जाला, बाबू लाल-धानोता, गजानन्द जांगिड, उपाध्यक्ष- सुरेश पंवार, गजानन्द देवीपुरा, टाहोल अध्यक्ष - राजेश जांगिड़ उपाध्यक्ष लल्लू लाख-धानोता, रियाल जांगिड मानगढ, पवन कुमार जांगेडि - शाहपुरा, मुख्य संरक्षक सत्य नारायण हरसोलिया, उपाध्यक्ष कैलाश चिचावा विशेष सलाहकार मुरलीधर जांगिड नाभावाला, कार्यालय प्रभारी- सोलाराम जांगिड- फुटछा, पूर्व अध्यक्ष माम राज-चिचावा, सामीले अध्यक्ष-धर्मेन्द्र कुमार जांगिड भामोद, प्रवक्ता कज्जू लाल-आनोता, राजेन्द्र खुडाणिया नायन - मंत्री - गणमान्य लोग मौजूद रहे। मीटिंग में मंच का सफल संचालन राधेश्याम रतनपुरा ने द्वारा किया गया।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का यूएई दौरे का दूसरा रहा विशेष, हुआ महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद

अबू धाबी स्थित इन्वेस्टमेंट, पेट्रोकेमिकल व एनर्जी कंपनियों से मुलाकात की, टाका (TAQA), ताज़ीज़ (TAIZIZ), मुबाडला, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट काउंसिल के अधिकारियों से प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात : कर्नल राठौड़ ने दुबई एवं अबू धाबी में अनिवासी राजस्थानी (एनआरआर) समुदाय से बातचीत की

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 18 सितंबर। दुबई इन्वेस्टर मीट के सफल आयोजन के बाद उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी का दौरा किया और वहां स्थित सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कई बड़ी इन्वेस्टमेंट, एनर्जी और पेट्रोकेमिकल कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की तथा उन्हें प्रदेश में व्यापार करने के लिए आमंत्रित किया। इनमें टाका (ळअदअ), जो यूएई अवस्थित अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा और जल कंपनी है, ताज़ीज़ (TAIZIZ), जो एक वैश्विक पेट्रोकेमिकल फर्म है, शामिल हैं। इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने मुबाडला इन्वेस्टमेंट कंपनी पीजेएससी (PJSC), अबू धाबी इन्वेस्टमेंट काउंसिल (ADIC), और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (ADIA) जैसी इन्वेस्टमेंट कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी मुलाकात की। इन बैठकों के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान में कारोबारियों के लिए उपलब्ध संभावनाओं और अवसरों के बारे में जानकारी दी, खास कर उन क्षेत्रों में मौजूद अवसरों की, जिन्हें राज्य सरकार ने फोकस सेक्टर घोषित किया हुआ है। इनमें अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी (EV), इन्फ्रास्ट्रक्चर, केमिकल और पेट्रोकेमिकल, पर्यटन, स्टार्टअप, माइनिंग, ईएसडीएम/ आईटी एवं आईटीईएस (ESDM/IT और ITeS) शामिल हैं। इन बैठकों के दौरान राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने टाका (TAQA), ताज़ीज़ (TAIZIZ), एडीआईए (ADIA), एडीआईसी (ADIC) और मुबाडला के प्रतिनिधियों को दिसम्बर में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में भाग लेने के लिए भी जयपुर आमंत्रित किया।इसके अलावा उद्योग मंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने दिन में संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत संजय सुधीर से शिष्टाचार भेंट की और राजस्थान में निवेशकों को लाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। राजस्थान सरकार का यह प्रतिनिधिमंडल आज रात भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भी शामिल होगा।

इन बैठकों के साथ ही 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के अंतरराष्ट्रीय आउटरीच का यूएई-चरण आज समाप्त हो गया है और राज्य सरकार का यह प्रतिनिधिमंडल अब कतर के निवेशकों और व्यापारिक समुदाय को राजस्थान में व्यापार करने के लिए आमंत्रित करने के लिए दोहा, कतर जाएगा। इस प्रतिनिधिमंडल में मंत्री के अलावा मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ सिहाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) के एडिशनल कमिश्नर सौरभ स्वामी और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।उल्लेखनीय है कि 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत राज्य सरकार देश और दुनिया के प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, ताकि देशी-विदेशी निवेशकों और संस्थाओं को प्रदेश में निवेश हेतु आमंत्रित किया जा सके। इसके तहत हाल ही मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण कोरिया और जापान का दौरा किया था और माननीय मुख्यमंत्री की इस यात्रा के दौरान कई दक्षिण कोरियाई और जापानी कंपनियों और संस्थाओं ने राजस्थान में कारोबार करने में रुचि दिखाई थी।संयुक्त अरब अमीरात में हुए इस अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर्स रोड शो का आयोजन दुबई में भारत के वाणिज्य दूतावास और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से किया गया।

संक्षिप्त समाचार

कानोता क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद

- **ताला तोड़कर मकान में घुसे चोर, आभूषण सहित लाखों की नकदी चोरी कर ले गए**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) कानोता थाना क्षेत्र में आए दिन हो रही चोरियों से चोरों के हौसले बुलंद है। 31 अगस्त को नायला रोड स्थित बजाज शोरूम में हुई चोरी का पुलिस खुलासा नहीं कर पाई और 17 सितंबर को वहां से करीब 500 मीटर की दूरी पर जैन कॉलोनी में अज्ञात चोर दिन में ही लाखों रुपए के जेवरात व नकदी सहित अन्य सामान साफ कर ले गए। जैन कॉलोनी में हुई चोरी को लेकर पीड़ित मुकेश कुलवाल ने थाने में मामला दर्ज करवाया है कि मंगलवार को वह सुबह 10 बजे परिवार के साथ नायला गया था। इस दौरान घर पर कोई भी मौजूद नहीं था। शाम करीब 4 बजे घर लौटा तो मकान के मुख्य दरवाजे का ताला बंद था लेकिन अन्दर का दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। जब हमने मकान के अन्दर जाकर देखा तो अलमारी का ताला टूटा हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस के मौका मुआयना करने के बाद अंदर जाकर अलमारी में रखा सामान संभाला तो उसमें रखे सोने का टीका, सोने का चिक सेट,दो सोने की चैन, सोने का पेंडल, सोने की रखड़ी, सोने का मंगलसूत्र, सोने की अंगूठियां, सोने की चार चूडी, सोने की कड़े की जोडी, सोने के दो गले के हार, सोने की तीन कानों की जोड़ी, एक सोने की नथ, चांदी का नारियल व एक एलईडी टी और घर में रखे तीन लाख पचास हजार रुपए चोरी कर ले गए। कानोता पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

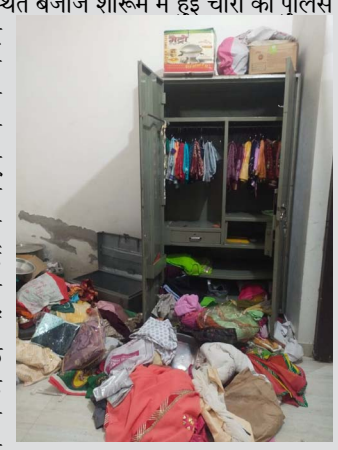

श्री गणपति की मूर्तियों का हुआ आत्मीय विसर्जन

- **पार्षद घनश्याम चंदलानी सहित भक्तगणों ने लगायी अरदास, दी भावभीनी विदाई**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) 18 सितंबर 2024 को श्री सांई बाबा मंदिर, सर्वानंद पार्क, सिंधी कॉलोनी ,जयपुर में श्री गणेश जी की अनेक मूर्तियां का विसर्जन पूर्ण विधि विधान से किया गया। श्री गणेश स्थापना के 11वें दिन और अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर श्री सांई बाबा मंदिर में महिला मंडल द्वारा सुंदर भजन व कीर्तन का कार्यक्रम किया गया।पंडित विजेंद्र कुमार शर्मा एवं पंडित मोहनलाल के सानिध्य में विसर्जन के लिए आई हुई सभी मूर्तियों का मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान पूर्वक पूजन करके गणेश जी की आरती के पश्चात उनका सांई बाबा मंदिर में बनाए गए जल कुंड में विसर्जन किया। उपस्थित सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू फिर जल्दी आ के भक्तिमय नारों से श्री गणेश जी को विदा किया।इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया ।अनेक श्रद्धालुओं ने घनश्याम चंदलानी एवं मंदिर के सेवादारों का हार्दिक आभार व्यक्त किया कि उन्होंने इस क्षेत्र के लोगों को घर से दूर जाकर गणेश जी कीमूर्ति के विसर्जन में आने वाली कठिनाईयों से मुक्ति दिलाकर यह सुविधा प्रदान की।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024 को पूर्ण सफल बनाने के लिए अधिकारी करें मुस्तैदी से काम:-रवि जैन शासन सचिव पर्यटन

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 18 सितम्बर। शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग रवि जैन की अध्यक्षता में बुधवार को पर्यटन भवन में ₹राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024(09 से 11 दिसम्बर) के आयोजन तथा इससे पूर्व 8 अक्टूबर को जयपुर में आयोजित होने वाली प्री-समिट की व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन हेतु पर्यटन विभाग को सौंपे गए दायित्व के निर्वहन के संबंध में बैठक आयोजित कर चर्चा की गई।शासन सचिव सहित बैठक में पर्यटन आयुक्त विजय पाल सिंह, राजस्थान पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा, निदेशक पुरातत्व विभाग पंकज धरेन्द्र, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन राकेश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी संयुक्त निदेशक (निवेश) पवन कुमार जैन तथा अन्य विभागीय अधिकारी एवं जयपुर के होटेलियर्स उपस्थित रहे। इसके साथ ही बैठक में जिलों से पर्यटन अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़कर शामिल हुए रवि जैन ने निर्देश दिए कि उक्त आयोजन की व्यवस्थाओं का मुस्तैदी से क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आयोजन के दौरान राजस्थान की कला और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने हेतु शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाए। इसके साथ समिट के दौरान आने वाले डेलिगेट्स के ठहरने की बेहतरीन व्यवस्था, बेहतरीन भोजन व्यवस्था के साथ अन्य सभी व्यवस्थाओं को उत्कृष्टता से सुनिश्चित करें और पर्यटन में अग्रणी हमारे राज्य राजस्थान के महल किले और म्यूजियम का भ्रमण करवाने की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित करें।शासन सचिव ने राजस्थान राज्य में निवेशकों द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में नए निवेश करने लिए जिलों और राज्य स्तर पर एमओयू किए जाने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि निवेशकों की सुविधा के लिए विभिन्न विभागों से क्लियरेन्स हेतु राजस्थान का सिंगल विंडो पोर्टल, राज निवेश पोर्टल महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि राजस्थान राज्य में निवेशकों द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में नए निवेश करने लिए राज निवेश पोर्टल पर एमओयू प्रस्ताव स्वीकार किये जा रहे हैं। उन्होंने जिला पर्यटन अधिकारियों को कहा कि वे अपने क्षेत्र के निवेशकों को जो एम ओ यू हेतु प्रोत्साहित किये जा सकते हैं उनकी सूची प्रेषित करें रवि जैन ने जिलों के पर्यटन अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिलों में पर्यटन इकाई के प्रोजेक्ट को शुरू किए जाने हेतु कोई अनुमति की आवश्यकता है तो आज ही सूचित करें ताकि उसके अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए।

ट्रांसफार्मर के खुले तारों की चेपट में आने से नंदी की करंट लगने से मौत, स्थानीय लोगों में आक्रोश

- **विद्युत विभाग की घौर लापरवाही हुई उजागर**
- **गौरक्षक समिति ने किया प्रदर्शन**

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर (खलील कुरैशी) विद्युत ट्रांसफार्मर के खुले तारों में दौड़ रहें करंट की चपेट में आने बेजूबान और नंदी की हुई निर्मम मौत हो गयी, मानवता को शर्मशार करने वाली इस खबर की सूचना मिलते ही मनोहरपुर स्थानीय निवासियों और गौ सेवकों में भारी रोष व्याप्त हो गया और देखते ही देखते भारी संख्या में एकत्रित हो गए आपको बता दें कि यह घटना मनोहरपुर विद्युत विभाग की घौर लापरवाही के चलते घटित हुई ट्रांसफर के चारों तरफ खुलें करंट वाले तारों में मौत का आ''ान करने वाले करंट दौड़ रहा जिसकी भेंट एक बेजूबान मासूम नंदी चढ़ गया बरसात के मौसम में यूं इस तरह से नंगें तारों को छोड़ना कहा की जवाबदेही है विद्युत विभाग की उल्लेखनीय है यह घटना मनोहरपुर टोल प्लाजा के पास स्थित राधे हास्पीटल के पास मनोहरपुर की है जिसमें नंदी की अर्थिंग करंट लगने से हुई। घटना के बाद गौ रक्षक समिति के कार्यकर्ताओं ने चेताकर इसकी निष्पक्ष जांच करवाकर लापरवाही बरतने वाले दोषी विद्युत कर्मचारी के विरुद्ध न्याय संगत और विधिवत कार्रवाई की मांग करी सूचना मिलते ही मनोहरपुर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। गौ रक्षक दल के कार्यकर्ताओं ने उपखण्ड अधिकारी शाहपुरा सहित मनोहरपुर नगरपालिका एवं विद्युत विभाग के अधिकारीयों - कर्मचारियों को भी सूचित किया है घटना मानवता को शर्मशार करने वाली घौर निंदनीय है।गौ रक्षक समिति के सदस्य नंदी को पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सालय ले गए। पोस्टमार्टम के बाद नंदी को सम्मान पूर्वक भू-समाधि दी जाएगी। इस घटना ने स्थानीय प्रशासन को सतर्क कर दिया है। आगे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित कदम उठाने की मांग की जा रही है।

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने आरएसएस के सरसंचालक मोहन भागवत से की मुलाकात

चमकता राजस्थान। शाहपुरा (खलील कुरैशी) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत से जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने मुलाकात की।भागवत मंगलवार दोपहर को कस्बे की अमरावाली ढाणी में एक घंटे ठहरे सरसंघचालक ने रामगोपाल यादव के निवास पर भोजन भी किया। भागवत बावड़ी में बालनाथ आश्रम में चल रहे महामृत्यजंय महायज्ञ में भाग लेने के बाद अमरावाली ढाणी बिदारा में रामगोपाल यादव के घर पहुंचे थे। यहां पर जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने शिष्टाचार भेंट की।इस दौरान संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम, प्रांत प्रचारक जयपुर बाबूलाल, क्षेत्रीय संघचालक रमेश अग्रवाल, प्रांत सह संघचालक हेमन्त सेठिया, विभाग कार्यवाह अलवर मुकेश प्रजापत, खण्ड कार्यवाह शाहपुरा कैलाश जलजला व हनुमान सहाय जाट हरिओमदास महाराज आदि ने सरसंघचालक भागवत का साफा व माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी, युवा मोर्चा सदस्यता अभियान के जिला सह संयोजक महेंद्र गुर्जर, मंडल अध्यक्ष मोहन लाल गुर्जर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

अजमेर के जे.एल.एन. चिकित्सालय को मिली सौगात

पीडियाट्रिक ब्लॉक, पार्किंग और गर्ल्स पी.जी. हॉस्टल शुरू, विधानसभा अध्यक्ष ने की औपचारिक शुरूआत

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 18 सितम्बर। अजमेर के जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में पीडियाट्रिक ब्लॉक, मल्टीलेवल पार्किंग और गर्ल्स पीजी हॉस्टल की शुरूआत हुई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को नवनिर्मित भवनों का निरीक्षण किया और भवनों के औपचारिक शुरूआत कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों की कुशलक्षेम पूछी और गर्ल्स हॉस्टल में सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने मंगलवार को इन भवनों का लोकार्पण किया था।विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में नवलोकार्पित पीडियाट्रिक ब्लॉक, मल्टी लेवल पार्किंग और गर्ल्स पीजी हॉस्टल का निरीक्षण किया। अस्पताल में 35 करोड़ रूपए की लागत से बने नए शिशु रोग वार्ड एवं इसके बेसमेंट में दो मंजिला पार्किंग से मरीज व उनके परिजनों को लाभ मिलेगा। देवनानी ने बताया कि चार मंजिला इस भवन में 224 बैड हैं। यहां 2 मंजिला पार्किंग भी है, जिसमें 80 कारें और 200 से ज्यादा दोपहिया वाहन भी खड़े हो सकते हैं। अस्पताल के एनआईसीयू और पीआईसीयू वार्डों में अत्याधुनिक सुविधाएं भर्ती होने वाले बच्चों को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में बड़े शहरों की तर्ज पर अजमेर के सुनियोजित विकास का स्वप्न अब पूरा होने जा रहा है। यहां 250 करोड़ की लागत से सुपर स्पेशलिटी सेवाओं का विस्तार होगा। अजमेर संभाग के मरीजों को इन सेवाओं के लिए जयपुर या दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा। शीघ्र ही इन सेवाओं की विस्तृत योजना तैयार कर काम शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया, अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे सहित वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

राहुल गांधी के खिलाफ बयानबाजी पर कांग्रेस का प्रदर्शन, गोपेश्वर में पुतला दहन

गोपेश्वर । भाजपा और एनडीए गठबंधन के नेताओं द्वारा कांग्रेस नेता और संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ की जा रही अनर्गल बयानबाजी के विरोध में बुधवार को कांग्रेस ने चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान गोपेश्वर तिराहे पर बयानबाजी करने वाले नेताओं का पुतला दहन किया गया। कांग्रेस के नगर अध्यक्ष योगेंद्र बिष्ट ने कहा कि राहुल गांधी बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा और उनके सहयोगी दल घबराए हुए हैं, जिसके चलते वे राहुल गांधी के खिलाफ निराधार बयान दे रहे हैं। बिष्ट का आरोप है कि भाजपा के पूर्व विधायक तरविन्द्र सिंह मारवाह, शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ और केन्द्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू लगातार राहुल गांधी पर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

अमेरिका में हैरिस और ट्रंप अब टीवी और रेडियो में खोलेंगे मोर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव अब दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुका है। प्रचार के अंतिम सात सप्ताह राष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का पूरा जोर संचार माध्यमों पर रहेगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक विज्ञापन ट्रैकिंग फर्म हवाले से खबर दी है कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और उनके सहयोगी अभियान के अंतिम सात हफ्तों में टेलीविजन और रेडियो विज्ञापन पर आधा बिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च करने की योजना बना रहे हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन करने वाले समूहों ने टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों के लिए 332 मिलियन डालर का एयरटाइम आरक्षित किया है। डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने वाले समूहों ने इस पर लगभग 194 मिलियन डालर खर्च करने की योजना बनाई है। दोनों पक्ष सबसे ज्यादा खर्च पेंसिल्वेनिया में करेंगे।

दो चोरी की बाइकों के साथ आरोपित गिरफ्तार

हरिद्वार। जनपद के बुग्गावाला थाना पुलिस ने चोरी की दो बाइकों समेत एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। बरामद बाइकों में से एक बाइक देहरादून से चोरी की गई थी। पुलिस के अनुसार, शुभम, पुत्र ओमपाल, निवासी ग्राम बुधवाशहीद, थाना बुग्गावाला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बीते रोज जब वह खेत में काम कर रहा था, तभी उसकी बाइक को अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और कार्रवाई करते हुए तेलपुरा, थाना बुग्गावाला, जनपद हरिद्वार के निवासी हुसैन को बुधवाशहीद पुल के पास से गिरफ्तार किया।

महिला से धोखाधड़ी मामले में दम्पति गिरफ्तार

फतेहाबाद। धोखाधड़ी कर एक महिला से लाखों रुपये लेकर भी मकान की रजिस्ट्री न करवाने के मामले में शहर फतेहाबाद पुलिस ने आरोपकम दम्पति को गिरफ्तार कर किया है। बुधवार को शहर थाना प्रभारी प्रहलाद राय ने बताया कि 17 अगस्त को हरपाल चौक, टोहाना निवासी सुरजीत कौर की शिकायत पर दम्पति के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसने सतीश कालोनी फतेहाबाद निवासी मंजू से उसके मकान का सौदा 44 लाख रुपये में किया था और इकरारनामा के समय उसने 8 लाख 50 हजार रुपये दिए थे। इसके बाद 10 दिसंबर 2023 के दिन रजिस्ट्री करना तय हुआ था लेकिन उपरोक्त मकान पर लोन के कारण रजिस्ट्री नहीं हुई।

सड़क हादसे में होमगार्ड की मौत

कैथल। खनोदा गांव के पास एक कार की टक्कर से बाइकसवार एक होमगार्ड जवान की मौत हो गई। होमगार्ड सिविल लाइन थाने में तैनात था।पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। बताया गया कि बुधवार को फरल निवासी 41 वर्षीय मोहन सिंह सुबह अपनी बाइक से डयूटी पर जा रहा था, तभी गांव खनोदा के पास उसकी बाइक को एक कार ने टक्कर मार दी। जिससे बाइकसवार होमगार्ड सड़क पर गिर गया और उसके सिर और सीने में काफी गंभीर चोटें आईं। लोगों ने उसके परिजनों को इसके बारे में सूचना दी।

चोरी के सामान के साथ दो चोर गिरफ्तार

हरिद्वार। श्यामपुर थाना पुलिस ने दो शातिर चोरों को चोरी के माल के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से हाईवे निर्माण सामग्री, जैसे सरिया, जैक और चैनल आदि बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, श्यामपुर थाना क्षेत्रान्तर्गत रसियाबड़ नहर के पास नेशनल हाईवे-74 पर 15 किमी दूर निमार्णाधीन फ्लाई ओवर से 15 सितंबर को यह सामान चोरी हुआ था। इस संबंध में सौरभ, पुत्र राजवीर सिंह निवासी ग्राम मानगडी, तहसील अतरोली, जिला अलीगढ, उत्तर प्रदेश ने शिकायत दर्ज कराई थी।

जम्मू-कश्मीर का चुनाव तीन परिवारों और नौजवानों के बीच का है : धामी

- जम्मू-कश्मीर में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रेलवे, बिजली, हर क्षेत्र में तेजी से कार्य गतिमान है
- जम्मू कश्मीर की जनता में मतदान को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है

देहरादून। एजेंसी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के बनी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार जीवन लाल के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। धामी ने कहा कि यह विधानसभा चुनाव तीन परिवारों और जम्मू कश्मीर के नौजवानों के बीच का है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में विकास का नया अध्याय शुरू होने के साथ ही राज्य शांति की ओर आगे बढ़ा है। इसी का असर है कि जम्मू कश्मीर की जनता में मतदान को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने बनी पार्क में आयोजित जनसभा में कहा कि बनी की भूमि ऐतिहासिक संस्कृति और बलिदान की भूमि है। जम्मू-कश्मीर के लोगों का लोकतंत्र के प्रति आस्था और विश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में राज्य विकास और शांति की ओर बढ़ा है। अनुच्छेद 370 को समाप्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास की नई लहर आई है जिसका सीधा लाभ जम्मू की जनता को मिल रहा है।

बनी की जनता के आशीर्वाद से निश्चित ही भाजपा उम्मीदवार जीवन लाल चुनाव में विजयी होंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश, एक विधान, एक निशान के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके सपनों को प्रधानमंत्री मोदी ने पूरा किया। इस बार का चुनाव बहुत ऐतिहासिक होने वाला है। आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में एक झंडे, एक संविधान के नीचे मतदान होने जा रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र पर कार्य हुआ है।

धामी ने कहा कि देश में किसी भी लाभार्थी को योजनाओं का लाभ देने से पहले उनकी जाति धर्म नहीं पूछा जाता है। जम्मू-कश्मीर में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रेलवे, बिजली, हर क्षेत्र में तेजी से कार्य गतिमान है। केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। नेशनल हाई-वे, एक्सप्रेसवे, चिनाब ब्रिज, जोजिला टनल, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी टनल, वंदेभारत ट्रेन, एम्स, आईआईएम, अनेकों परियोजनाएं जम्मू-कश्मीर में सुविधाओं को तेजी से बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आने वाले पर्यटकों की संख्या ढाई गुना से ज्यादा बढ़ गई है। जम्मू कश्मीर के अंदर मिनिमम टेररिज्म और मैक्सिमम टूरिज्म हो गया है। एक ओर सुरक्षित समृद्ध जम्मू-कश्मीर के निर्माण की मोदी जी की गारंटी है तो दूसरी ओर कांग्रेस, पीडीपी, नेशनल कांफ्रेंस जैसे दल की अलगावावाद, अनुच्छेद 370 को वापस लाने के वादे हैं। जम्मू-कश्मीर को विपक्षी दलों ने 30 वर्षों से आतंकवाद और अलगावावाद की भेट चढ़ा दिया है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि एक समय था जब शाम होते ही अघोषित कर्फ्यू लगा दिया जाता था पर आज चारों ओर शांति है।

बुलडोजर मामले में केंद्र सरकार को बनाना चाहिए एक-समान गाइडलाइन : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने ध्वस्तीकरण के लिए बुलडोजर के इस्तेमाल की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने केन्द्र सरकार से कहा है कि आगे आकर उस पर पूरे देश के लिए एक-समान गाइडलाइन्स बनाना चाहिए मायावती ने बुधवार को एक्स पर कहा है कि बुलडोजर विध्वंस कानून का राज का प्रतीक नहीं होने के बावजूद इसके प्रयोग की बढ़ती प्रवृत्ति चिन्तनीय। वैसे बुलडोजर व अन्य किसी मामले में जब आम जनता उससे सहमत नहीं होती है तो फिर केन्द्र को आगे आकर उस पर पूरे देश के लिए एक-समान गाइडलाइन्स बनाना चाहिए, जो नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने का कि बुलडोजर एक्शन के मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट को इसमें दखल देकर केन्द्र सरकार की ज़िम्मेवारी को खुद नहीं निभाना पड़ता, जो यह जरूरी था। केन्द्र व राज्य सरकारें संविधान व कानूनी राज के अमल होने पर जरूर ध्यान दें।

लेबनान में पेजर धमाकों में 11 की जान गई, 2700 से अधिक लोग घायल

बेरूत (लेबनान)। एजेंसी

लेबनान पेजर विस्फोट दहल गया है। मंगलवार को हुए इन धमाकों में अब तक 11 लोगों की जान चली गई। आतंकी समूह हिजबुल्लाह के गुर्गों के हजारों पेजर एक साथ फट गए। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य मीडिया को बताया कि इन धमाकों में कम से कम 11 लोग मारे गए और 2,700 से अधिक घायल हुए। लेबनान के समाचार पत्र एल'ओरिएंट टुडे के अनुसार, अधिकतर पेजर विस्फोट बेरूत के दहिह, दक्षिणी लेबनान के टायर, नबातिह और मरजायून और बेका में हुए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, 2,750 लोगों के घायल होने की सूचना है। इनमें 200 की हालत गंभीर है। घायलों में हिजबुल्लाह के लड़ाके और चिकित्सक शामिल हैं।

बताया गया है कि यह धमाके दोपहर 3:45 बजे के बाद से एक घंटे तक लगातार होते रहे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, कुछ विस्फोट सुपर मार्केट जैसे अधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी हुए। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस घटना में लेबनान में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी भी घायल हुए हैं। आतंकवादी संगठन हिज्बुल्लाह ने पेजर विस्फोट के लिए इजराइल को दोषी ठहराया है। उल्लेखनीय है कुछ महीने पहले ही हिजबुल्लाह नेता हसन नसरुल्ला ने अपने लड़ाकों से स्मार्टफोन का इस्तेमाल न करने की अपील की थी। नसरुल्ला का कहना था कि इजराइल के पास स्मार्टफोन को हैक करने या उसमें से जानकारी निकालने की तकनीक है। समझा जा रहा है कि इस वजह से ही हिजबुल्लाह ने संचार माध्यम को बेहतर बनाने के लिए स्मार्टफोन की जगह पेजर का सहारा लिया। और यही पेजर अनेक निदोर्षों की जान के दुश्मन बन गए। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, अमेरिकी और अन्य अधिकारियों के अनुसार, हिजबुल्लाह ने ताइवान की एक कंपनी से पेजर और बीपर्स मंगवाए थे।

अप्पर शिमला में ट्रांसफार्मर चोर गिरोह का भंडाफोड़

शिमला। अप्पर शिमला के विभिन्न इलाकों में बिजली का ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया गया। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इसी के साथ पुलिस ने ट्रांसफार्मर चोरी के विभिन्न मामलों का खुलासा किया है। पुलिस के हत्थे चढ़े सभी आरोपी नेपाली मूल के हैं। ये अप्पर शिमला के अलग-अलग क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर चोरी करते थे। इस गिरोह ने 30 लाख रुपये तक ट्रांसफार्मरों को चोरी किया था। इस गिरोह ने पिछले तीन महीनों में पुलिस स्टेशन रोहडू, कुमारसेन, मतियाना, नहोल फागु जुब्बल और कोटखाई के अंतर्गत ट्रांसफार्मर चोरी के कई मामलों को अंजाम दिया है। इन क्षेत्रों में करीब आठ मामले सामने आ चुके हैं। पुलिस के लिए यह गिरोह सिरदर्द बना हुआ था लेकिन पुलिस की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से इस गिरोह पर काबू पाया है। आरोपितों की पहचान जय बहादुर थापा (26), इंद्र सिंह(28), वीर बहादुर (21), सागर साही (49) और भगता बहादुर (39) के रूप में हुई है।

देश हित में एक देश एक चुनाव : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। एजेंसी

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत किया है। केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि एक देश एक चुनाव देश हित में है। प्रधानमंत्री मोदी का कड़ा और बड़ा निर्णय है एक भारत श्रेष्ठ भारत। एक देश एक चुनाव वाली रामनाथ कोविंद समिति को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। बुधवार को हुई नरेंद्र मोदी सरकार की कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को पेश किया गया, जिस पर सर्वसम्मति से कैबिनेट ने मुहर लगा दी। सरकार के इस कदम का भारतीय जनता पार्टी ने भी स्वागत किया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि एक देश एक चुनाव यह भारतीय जनता पार्टी के एजेण्डे में शामिल है। एक देश एक चुनाव होना चाहिए। यह देश के हित में है। आजादी के बाद देश में लोकसभा के साथ ही विधानसभा के चुनाव होते थे। बाद में लोकसभा व विधानसभा का चुनाव अलग-अलग होने लगे।

गहलोत ने की योजनाओं में परेशानियों को अविलंब दूर करने की मांग

जयपुर। एजेंसी

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी हुई योजनाओं को कमजोर न करने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) और मेडिकल से जुड़ी सारी योजनाओं में आ रही परेशानियों को अविलंब दूर करने की मांग की है। गहलोत ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पोस्ट में लिखा कि आरजीएचएस योजना ने सरकारी कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को इलाज के खर्च की चिंता से मुक्त कर दिया था परंतु राज्य में भाजपा सरकार आने के बाद आरजीएचएस योजना को भी लगातार कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे सरकारी कर्मचारियों में असंतोष पनप रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने निरोगी राजस्थान के लक्ष्य के साथ चिरंजीवी योजना, निःशुल्क दवा एवं जांच योजना एवं आरजीएचएस शुरू की परन्तु अब जनता लगातार शिकायत कर रही है कि इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। हर महीने सरकारी कर्मचारियों के प्रीमियम से चलने वाली आरजीएचएस के अंतर्गत आने वाली दवा की दुकानों का भुगतान नहीं किया जा रहा है। चिरंजीवी योजना और आरजीएचएस के कारण प्रदेश के करीब 90 प्रतिशत परिवार बीमित थे एवं इलाज के खर्च की चिंता से मुक्त थे। राजस्थान में बीमा कवरेज देशभर में सबसे अधिक था।

लेबनान के उपन्यासकार इलियास खौरी का निधन

बेरूत। लेबनान के चर्चित उपन्यासकार इलियास खौरी नहीं रहे। कई माह से बीमार खौरी ने 76 वर्ष की आयु में आखिरी सांस ली। लेखक खौरी अपने पीछे साहित्य की लंबी विरासत छोड़ गए हैं। उनकी यह विरासत संघर्ष और विस्थापन के बीच मानवीय स्थिति पर गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। डेली स्टार लेबनान की खबर के अनुसार, फिलिस्तीन के संघर्ष पर उनके कई उपन्यास और निबंध सुर्खियों पर रहे हैं। उन्हें मजबूत राजनीतिक विचारों के लिए जाना जाता था। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रबलतम पक्षधर खौरी ने मध्य पूर्वी तानाशाही और फिलिस्तीन में इजराइल की नीतियों की कड़ी आलोचना की। बीमारी के दौरान भी उन्होंने लेखन जारी रखा। पिछले साल सात अक्टूबर को इजराइल और हमास के मध्य छिड़े युद्ध के कुछ दिनों बाद उन्होंने अल-कुद्स ए-अरब दैनिक में इट्स फिलिस्तीन शीर्षक से एक लेख लिखा। गाजा को इसबसे बड़ी खुली हवा वाली जेल के रूप में वर्णित किया। 1948 में बेरूत में जन्मे खौरी ने लेबनान विश्वविद्यालय से पढ़ाई पूरी करने के बाद पेरिस विश्वविद्यालय से सामाजिक इतिहास में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

सिएटल में लगेगी वेश्यावृत्ति और नशीली दवाओं पर लगाम

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका में सिएटल सिटी काउंसिल ने मंगलवार को दो नए विधेयक पारित किए। इनका उद्देश्य सार्वजनिक रूप से नशीली दवाओं के उपयोग, बिक्री और वेश्यावृत्ति पर लगाम लगाना है। पहले विधेयक में यह प्रावधान है कि अब नशीलों दवाओं के सौदागरों के सिएटल शहर के मुख्य भाग स्टे आउट ऑफ ड्रग एरिया में प्रवेश करना प्रतिबंधित होगा। द सिएटल टाइम्स की एक खबर के अनुसार, नशीली दवाओं से संबंधित विधेयक लाने का प्रस्ताव काउंसिल सदस्य बॉब केटल ने किया। इसे सिटी अटॉर्नी एन डेविसन ने पेश किया। यह विधेयक 8 से 1 के अंतर से पारित हुआ। काउंसिल सदस्य टैमी मोरालेस ने इसके खिलाफ मतदान किया। दूसरा विधेयक उत्तरी सिएटल में ऑरोरा एवेन्यू से संबंधित है। यह जगह वेश्यावृत्ति और आवारागर्दी के लिए बदनाम है। इसमें कहा गया है कि सेक्स वर्कर को यहां से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। काउंसिल सदस्य कैथी मूर का यह विधेयक भी 8 से 1 के अंतर से पारित हुआ। काउंसिल सदस्य टैमी मोरालेस ने इस विधेयक के खिलाफ भी मतदान किया। उल्लेखनीय है कि सिएटल वाशिंगटन राज्य का एक प्रमुख शहर है। यह प्रमुख बंदरगाह है। यह प्रशांत महासागर और लेक वैशिंगटन के बीच स्थित है। कनाडा की सीमा यहां से मात्र 160 किलोमीटर दूर है। अप्रैल 2009 में यहां की आबादी लगभग 61,700 थी।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने मोहाली में कारोबारियों से मांगी फिरौती

चंडीगढ़। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने पंजाब के मोहाली में एक कारोबारी को फोन करके धमकी देते हुए दो करोड़ रुपये की फिरौती की मांगी है। उसने एक अन्य कारोबारी को फोन करके कारोबार में हिस्सेदार बनाने की धमकी दी है। पुलिस ने दोनों कारोबारियों की शिकायत पर कार्रवाई शुरू कर दी है। एक दिन पहले ही पंजाबी सिंगर आर. नेत से भी एक करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया था। कारोबारी की शिकायत पर मोहाली के सोहाना थाने की पुलिस ने केस दर्ज किया है। सेक्टर-91 निवासी मोहित ग्रोवर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि उसकी दवाईयों की फैक्टरी है। कुछ दिन पहले उसे विदेशी नंबर से उसके फोन पर वॉट्सऐप पर कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने खुद को गोल्डी बराड़ बताया। साथ ही कहा कि अपने बिजनेस में हिस्सेदार बनाए। अगर उसे किसी चीज या बाउंसरों की जरूरत है तो मुहैया करवा दिए जाएंगे। मोहित ने बताया कि इसी नंबर से 10 से 15 बार कॉल आई। यह भी धमकी दी गई कि अगर पुलिस को शिकायत देने की कोशिश की तो तेरे परिवार को भारी नुकसान होगा।

कार्यक्रम क्षय रोग उन्मूलन की राष्ट्रीय टास्क फोर्स की दो दिवसीय बैठक का शुभारम्भ

प्रदेश सरकार टीबी उन्मूलन के लिए दे रही हरसंभव सहायता : सुखविंद्र

- 15 हजार टीबी मरीजों का उपचार किया जा रहा है
- राज्य में मॉलीक्यूलर परीक्षण सुविधाएं शुरू की गई हैं

शिमला। एजेंसी

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय टास्क फोर्स की दो दिवसीय बैठक का शुभारम्भ किया। इस बैठक में देशभर के क्षय रोग विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। हिमाचल प्रदेश दूसरी बार इस महत्वपूर्ण बैठक की मेजबानी कर रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मेरी टीबी की कहानी चरण-2 पहल का भी शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य टीबी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना और इस बीमारी के बारे में लोगों में जागरुकता पैदा करना है।

इस अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ करने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य है। इस मौके पर हिमाचल प्रदेश में क्षय रोग विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बैठक के दौरान जो मूल्यवान जानकारी और सुझाव प्राप्त होंगे, वो इस खतरनाक बीमारी से निपटने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार टीबी उन्मूलन के लिए हरसंभव सहायता दे रही है और राज्य में हर वर्ष लगभग 15 हजार टीबी मरीजों का उपचार किया जा रहा है। इस बीमारी से निपटने में किए गए प्रदेश के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीबी के मरीजों की सुविधा के लिए पिछले दो वर्षों में प्रारम्भिक स्तर पर ही टीबी का पता लगाने के लिए राज्य में मॉलीक्यूलर परीक्षण सुविधाएं शुरू की गई हैं और पांच जिलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस पोर्टेबल एक्स-रे मशीनें उपलब्ध करवाई गई हैं। शीघ्र ही इस सेवा का विस्तार शेष जिलों में भी किया जाएगा। इस बीमारी से ग्रसित मरीजों के लिए हिमाचल प्रदेश की अनुकूल जलवायु के महत्व के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार हिमाचल के शुद्ध वातावरण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए आधुनिक तकनीकें अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने नवीनतम चिकित्सा उपकरणों के लिए एम्स दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है।

रेलवे कोच फैक्ट्री युवाओं के लिए वरदान साबित होगी: देवेंद्र कौशिक

सोनीपत। एजेंसी

गन्नौर विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार देवेंद्र कौशिक ने कहा कि देश को प्रदेश में विकास को गति भाजपा के शासन काल में मिली है। बिना पर्ची, बिना खर्जी योग्यता के आधार पर नौकरी मिली है। जो सालों साल से नौकरी के तरसते थे उनको भाजपा सरकार ने नौकरी दी है। देवेंद्र कौशिक ने बुधवार को गांव रसूलपुर, पबनेरा, उमेदगढ़, धतूरी, हसनपुर, पीपली खेड़ा, सनपेड़ा में जनसभाओं में कमल का बटन दबाने की अपील की। हर जगह क्षेत्रवासियों ने भाजपा उतम्मीदवार को शानदार स्वागत किया। उम्मीदवार के रुप पहली बार राजनीति में लोगों के बीच पहुंचे कौशिक के लिए युवाओं में जोश उदेखने लायक था। लोगों ने भरोसा दिलाया कि उनको जनता का पूरा समर्थन का कौशिक ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा है सबसे ज्यादा विकास के कार्य करवाएं, बड़ी में रेलवे कोच फैक्ट्री लगाई जिसमें हजारों करोड़ रुपये का सरकार की ओर से निवेश किया गया इससे क्षेत्र में विकास होगा युवाओं के लिए रोजगार सृजित होंगे। यह इस क्षेत्र के वरदान साबित होगी। गन्नौर से विधायक निर्मल चौधरी ने कहा कि उन्होंने गन्नौर पहला महिला महाविद्यालय शुरू करवाया है। बहनें शिक्षित होंगी तो दो कुलों को रोशन करेंगी।

संक्षिप्त खबरें

अल नासर ने कोच लुइस कास्त्रो के क्लब छोड़ने की घोषणा की

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सऊदी क्लब अल नासर ने निराशाजनक ड्रा के साथ अपने एएफसी चैंपियंस लीग एलीट अभियान की शुरूआत करने के एक दिन बाद मंगलवार को पुर्तगाली कोच लुइस कास्त्रो के जाने की घोषणा की। सोमवार को एशियाई प्रतियोगिता में इराक के अल शॉर्टा के साथ 1-1 के ड्रा के कारण क्लब के घरेलू सत्र की धीमी शुरूआत हुई। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा गया, अल नासर घोषणा करता है कि मुख्य कोच लुइस कास्त्रो ने क्लब छोड़ दिया है। अल नासर में हर कोई लुइस और उनके कर्मचारियों को पिछले 14 महीनों के दौरान उनके समर्पित काम के लिए धन्यवाद देना चाहता है और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। 63 वर्षीय कास्त्रो रोनाल्डो के 2023 की शुरूआत में क्लब में आने के बाद अल नासर को छोड़ने वाले तीसरे कोच हैं। फ्रांसीसी रूडी गार्सिया उस अप्रैल में तुरंत चले गए, उसके बाद पिछले साल जुलाई में कास्त्रो की नियुक्ति से पहले क्रोएशियाई कोच डिंको जेलिकिक ने क्लब में एक संक्षिप्त कार्यकाल बिताया। रोनाल्डो ने अभी तक रियाद क्लब के साथ सऊदी ट्रॉफी नहीं जीती है, उनका एकमात्र खिताब पिछले साल का अरब क्लब चैंपियंस कप है।

2020 में पहली बार भारत आने के बाद से मैं सबसे ज्यादा गुस्से में था : मार्केज

पणजी। भारतीय राष्ट्रीय टीम और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में एफसी गोवा के मुख्य कोच के रूप में मनोलो मार्केज की शुरूआत अच्छी नहीं रही है। महीने की शुरूआत में, मार्केज की टीम को इंटरकॉन्टिनेंटल कप में सीरिया से 0-3 से हारने से पहले कम रैंकिंग वाली मालदीव के साथ गोल रहित ड्रॉ पर रोका गया था। इसके बाद उनके आईएसएल क्लब गोवा को सीजन के शुरूआती गेम में जमशेदपुर एफसी से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। गोवा ने पहले हाफ में बढ़त हासिल की, लेकिन अपने दबदबे को और अधिक गोल में नहीं बदल सका, जमशेदपुर ने अतिरिक्त समय में वापसी करते हुए गेम जीत लिया। मार्केज ने मंगलवार को मैच के बाद कहा आज शायद वह दिन है जब मैं लगभग पांच साल पहले भारत आने के बाद से सबसे ज्यादा गुस्से में था। गोवा के पास 62% कब्जा था, लेकिन वह सिर्फ पांच शॉट ही टारगेट पर लगा पाया। उन्होंने कहा हम आज जैसा प्रदर्शन नहीं होने दे सकते, खासकर विदेशियों से। विदेशी खिलाड़ी पूरे खेल के दौरान मैदान पर घूम रहे थे। आप जानते हैं कि भारतीय खिलाड़ियों को उनकी जरूरत है, और अगर विदेशी खिलाड़ी मैदान पर घूम रहे हैं और अपना खेल खेल रहे हैं, तो हम सभी को परेशानी होगी। उन्होंने ब्रिसन फर्नांडीस की तारीफ की, लेकिन उन्होंने कहा किसी के बारे में अच्छा बोलना मुश्किल है क्योंकि हमने एक टीम के रूप में बहुत, बहुत खराब प्रदर्शन किया।

आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति में एसोसिएट सदस्य प्रतिनिधि के रूप में चुने गए सुमोद दामोदर

नई दिल्ली। सुमोद दामोदर (बोत्सवाना) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) में एसोसिएट सदस्य प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। सुमोद, मुबाशिशर उस्मानी की जगह लेंगे। आईसीसी ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा सुमोद दामोदर (बोत्सवाना) को गुप्त मतदान के बाद मुबाशिशर उस्मानी की जगह मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) में एसोसिएट सदस्य प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। आईसीसी ने आगे कहा आईसीसी वार्षिक सम्मेलन 2024 में आईसीसी एसोसिएट सदस्य निदेशकों के चुनाव के परिणाम के कारण मुख्य कार्यकारी समिति में मुबाशिशर उस्मानी के पद के लिए चुनाव हुआ था, क्योंकि वह दोनों पदों पर रहने में असमर्थ हैं। दामोदर शेष कार्यकाल पूरा करेंगे जो आईसीसी वार्षिक सम्मेलन 2025 के अंत में समाप्त होगा। वह रशपाल बाजवा (क्रिकेट कनाडा) और उमैर बट (डेनिश क्रिकेट एसोसिएशन) के साथ सीईसी में शामिल होंगे जो पिछले साल चुने गए थे।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

ढाका। एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आगामी महिला टी 20 विश्व कप के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज निगार सुल्ताना जोटी के नेतृत्व में अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। महिला टी-20 विश्व कप का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 3 से 20 अक्टूबर तक होने वाला है। आगामी वैश्विक आयोजन के लिए बांग्लादेश की टीम में जुलाई में महिला एशिया कप के लिए उतारी गई टीम से कुछ बदलाव किए गए हैं। लेग स्पिनर फहीमा खातून और बल्लेबाज सोभना मोस्टरी की टीम में वापसी हुई है, जबकि शीर्ष क्रम की अनकैप्ड बल्लेबाज ताज नेहर, सलामी बल्लेबाज शाति रानी और ऑलराउंडर दिशा बिस्वास को भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

बांग्लादेश की टीम में ऑलराउंडर रूमाना अहमद, बाएं हाथ की बल्लेबाज रुबिया हैदर झेलिक, ऑलराउंडर शोरिफा खातून, सलामी बल्लेबाज इश्मा तनजीम और बाएं हाथ की स्पिनर सबिकुन नाहर जेस्मिन को शामिल नहीं किया गया है। निगार, फहीमा, राबेया खान, शोरना अख्तर, दिलारा अख्तर, जहांआरा आलम और मारुफा अख्तर सहित बांग्लादेश की कुछ खिलाड़ी 'ए' टीम के दौरे के तहत श्रीलंका में हैं। 2024 महिला टी20 विश्व कप को 20 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया था, क्योंकि एशियाई देश में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा संबंधी चिंताएं थीं।

टूर्नामेंट के नौवें संस्करण के लिए बांग्लादेश को 2009 के चैंपियन इंग्लैंड, 2016 के विजेता वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और स्कॉटलैंड के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। वे अपना अभियान 3 अक्टूबर को शारजाह में स्कॉटलैंड के खिलाफ शुरू करेंगे, उसके बाद 5 अक्टूबर को इंग्लैंड का सामना करेंगे। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें क्रमशः 17 और 18 अक्टूबर को दुबई और शारजाह में सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी, उसके बाद 20 अक्टूबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में फाइनल होगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए एक रिजर्व दिन आवंटित किया गया है।

बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है-:

निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर, मुर्शिदा खातून, शोरना अख्तर, रितु मोनी, सोभना मोस्टरी, राबेया खान, सुल्ताना खातून, फहीमा खातून, मारुफा अख्तर, जहांआरा आलम, दिलारा अख्तर, ताज नेहर, शाति रानी और दिशा बिस्वास।

मीराबाई चानू का काम अभी अधूरा है: विजय शर्मा

नई दिल्ली। एजेंसी

अनुभवी भारोत्तोलन कोच विजय शर्मा ने कहा कि सैखोम मीराबाई चानू में अभी भी बहुत कुछ बाकी है। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता पिछले महीने पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहीं और महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक से चूक गईं। पिछले हफ़्ते मोदीनगर में महिला भारोत्तोलन लीग के इतर बोलते हुए शर्मा, जो 2014 से मीराबाई के साथ काम कर रहे हैं, ने कहा पेरिस के बाद, हम दोनों ने भविष्य पर चर्चा की और फैसला किया कि मीराबाई को प्रतिस्पर्धी भारोत्तोलन में बने रहना चाहिए। पेरिस में कड़ी प्रतिस्पर्धा में मीराबाई को थाईलैंड की सुरोदचाना खंबाओ ने कांस्य पदक मुकाबले में हराया। खंबाओ ने कुल 200 किलोग्राम (88 स्नैच + 112 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) उठाया, जबकि मीराबाई ने 199 (88 + 111) किलोग्राम उठाया। चीन की होउझिहुई (206 किलोग्राम) ने टोक्यो ओलंपिक में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा, जबकि मौजूदा यूरोपीय चैंपियन रोमानिया की मिहेला कैम्बेई (205 किलोग्राम) ने रजत पदक जीता। मोदीनगर में भारोत्तोलन सुविधा विकसित कर रहे शर्मा ने साई मीडिया से कहा, हमैं 2014 से मीराबाई के साथ काम कर रहा हूं और वह बहुत अनुशासित एथलीट हैं। मीराबाई पेरिस में चौथे स्थान पर रहीं और हम दोनों को लगता है कि अभी कुछ और काम करना बाकी है।

हम अगले कॉमनवेल्थ गेम्स (2026 में) और एशियाई खेलों (2026 में नागोया, जापान) पर विचार कर रहे हैं। उनकी कैबिनेट में एशियाई खेलों का पदक नहीं है और हम उसे हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

दो महीनों के लिए इंडियन सुपर लीग से बाहर हुए लुका मैजसेन

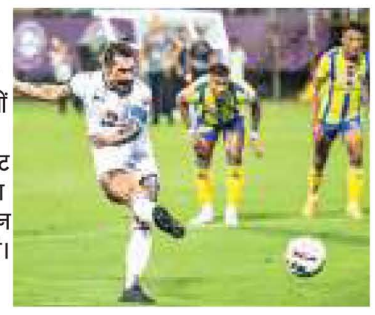

मोहाली। पंजाब एफसी के फॉरवर्ड लुका मैजसेन चोट के कारण लगभग दो महीनों के लिए इंडियन सुपर लीग से बाहर रहेंगे। उन्हें यह चोट रविवार को कोच्चि में केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ सीजन ओपनर मैच के दौरान लगी। स्लोवेनियाई खिलाड़ी के जबड़े में दो फ्रैक्चर हुए हैं और वह आने वाले दिनों में सर्जरी कराएंगे। सर्जरी के बाद वे मेडिकल टीम की देखरेख में रहेंगे। उनके वापसी का समय 6-8 हफ्तों का अनुमान है, जो उनके चिकित्सा स्थिति और मेडिकल टीम की मंजूरी पर निर्भर करेगा। फुटबॉल डायरेक्टर निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आने वाले मैचों में लुका की सेवाएं हमें नहीं मिल पाएंगी। यह केरला ब्लास्टर्स के खिलाड़ी की एक अवांछित आक्रामक फाउल थी, जिसके कारण लुका को चोट लगी। हम एक क्लब के रूप में खेल के ऐसे आक्रामक स्वभाव का समर्थन नहीं करते जो किसी भी सकारात्मक परिणाम की ओर नहीं ले जाता। मैं उनकी जल्दी स्वस्थ होने की कामना करता हूं और उम्मीद करता हूं कि वे जल्द से जल्द टीम में वापस जुड़ेंगे।

कभी उम्मीद नहीं थी कि ऑस्ट्रेलिया के लिए 100 वनडे मैच खेल सकूंगा : एडम जम्पा

नई दिल्ली। एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ 19 सितंबर को ट्रेंट ब्रिज में ऑस्ट्रेलिया की आगामी एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच एडम जम्पा के लिए 50 ओवर के प्रारूप में 100वां मैच भी होगा। इस मील के पत्थर तक पहुंचने के कगार पर खड़े जम्पा ने कहा कि उन्होंने कभी भी अपने देश के लिए वनडे में इतने मैच खेलने की उम्मीद नहीं की थी। जम्पा 100 वनडे खेलने वाले 32वें ऑस्ट्रेलियाई पुरुष खिलाड़ी बन जाएँगे। वह शेन वॉर्न और ब्रैग हॉग के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए यह उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर बन जाएंगे।

जम्पा की पत्नी हैरियट, बेटा यूजीन और माता-पिता डैरेन और एलिसन लेग स्पिनर को यह उपलब्धि हासिल करते देखने के लिए ट्रेंट ब्रिज में मौजूद रहेंगे। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से बातचीत में जम्पा ने कहा मुझे 100 वनडे खेलने पर गर्व है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए इतना खेल पाऊंगा। जब आप देखते हैं कि आजकल लोग वनडे क्रिकेट में कितने मैच खेलते हैं, तो बहुत कम लोग 100 तक पहुंच पाते हैं, खासकर अतीत के लोगों की तुलना में; 1990 और 2000 के दशक की शुरूआत में निश्चित रूप से बहुत ज्यादा वनडे क्रिकेट खेला जाता था और कोई टी20 नहीं होता था। मैं कुल मिलाकर 200 अंतरराष्ट्रीय मैच (191) खेलने के करीब पहुंच रहा हूं, इसलिए मुझे कभी नहीं लगा था कि मैं इतना खेल पाऊंगा। 99 वनडे मैचों में जम्पा ने 28.05 की औसत और 5.47 की इकॉनमी रेट से 169 विकेट लिए हैं।

गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए की कोहली की सराहना

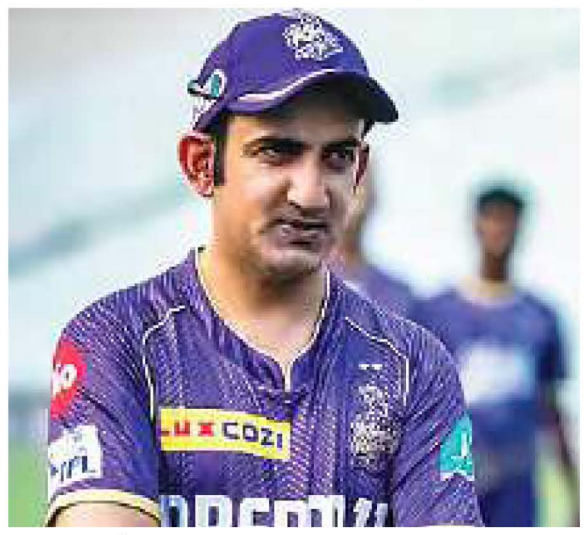

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक खिलाड़ी और एक कप्तान के रूप में टेस्ट क्रिकेट के प्रति विराट कोहली की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की है। गंभीर ने बीसीसीआई टीवी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कोहली के साथ बातचीत के दौरान कहा जब मैं आगे बढ़ रहा था, खासकर ऐसे समय में जब टी20 प्रारूप और आईपीएल मौजूद नहीं थे, प्रथम श्रेणी क्रिकेट ही मेरा अंतिम लक्ष्य था। हम टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए तत्पर थे। सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलना रोमांचक था, लेकिन हम हमेशा मानते थे कि हमें लाल गेंद वाले क्रिकेट में हमारे प्रदर्शन के आधार पर आंका जाएगा।

खेल में आप जो विरासत छोड़ते हैं, वह इस बात से गहराई से जुड़ी होती है कि आप टेस्ट क्रिकेट में कितना अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

आपने यह बताकर बहुत बड़ी भूमिका निभाई कि टेस्ट क्रिकेट आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है। कोहली ने 2022 में भारत की टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी थी, उससे एक दिन पहले ही उन्होंने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका से 2-1 से टेस्ट सीरीज गंवा दी थी। 2015 की शुरूआत में जब एमएस धोनी ने ऑस्ट्रेलिया में अपने संन्यास की घोषणा की, तब कोहली ने पूर्णकालिक टेस्ट कप्तान के रूप में पदभार संभाला और भारत के अब तक के सबसे सफल टेस्ट कप्तान बन गए। टेस्ट कप्तान के रूप में कोहली का कार्यकाल काफी हद तक सफल रहा, क्योंकि उन्होंने टीम को आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचाया और कई यादगार विदेशी जीत हासिल की। 2021 में, उन्होंने साउथेम्प्टन में उद्घाटन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत का नेतृत्व किया। कोहली ने टेस्ट कप्तान के तौर पर अपने समय को याद करते हुए कहा जब मुझे कप्तान की भूमिका निभाने का मौका मिला, तो पुरानी टीम से नई टीम में जाने की चुनौती रोमांचक थी।

बुमराह सभी प्रारूपों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज: गौतम गंभीर

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रहे भारत के पहले टेस्ट मैच से पहले जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ ऑल-फॉर्मेट तेज गेंदबाज बताया। बुमराह ने पिछले साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में भारत के विजयी टी20 विश्व कप अभियान में अहम भूमिका निभाई थी। अपने टेस्ट करियर में उन्होंने 36 मैचों में 20.69 की शानदार औसत से 159 विकेट लिए हैं और वनडे में उन्होंने 89 मैचों में 23.55 की औसत से 149 विकेट लिए हैं। प्री मैच कांफ्रेंस में जब गंभीर से पूछा गया कि क्या 30 वर्षीय बुमराह भारतीय टीम के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी हैं, तो उन्होंने कहा बुमराह तीनों प्रारूपों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। गंभीर ने कहा भारत में ऐसा कई बार नहीं हुआ है कि हम गेंदबाजों के बारे में बात करने लगे हैं। यह हमेशा बल्लेबाजों के बारे में रहा है। भारत एक समय बल्लेबाजों के प्रति जुनूनी देश था। आपको बुमराह, शमी, सिराज, अश्विन, जडेजा को श्रेय देना होगा। टी20 विश्व कप जीतने के बाद बुमराह पहली बार मैदान पर वापसी करेंगे। क्योंकि भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह पक्की करना चाहता है। भारत को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज खेलनी है, इसके बाद साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। गंभीर ने कहा सबसे अच्छी बात यह है कि वह जितना हो सके उतना टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता है। उसने वेस्टइंडीज में टी20 प्रारूप में जो किया है, उसने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में जो किया है, उससे पता चलता है कि वह सफेद और लाल गेंद वाले क्रिकेट में क्या कर सकता है।

वाणिज्य

वर्ल्ड फूड इंडिया का आज से नई दिल्ली में शुरू होगा चार दिवसीय मेगा इवेंट

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की राजधानी नई दिल्ली में चार दिवसीय मेगा फूड इवेंट 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2024' गुरुवार से शुरू होने जा रहा है। इस मेगा इवेंट का आयोजन 19 से 22 सितंबर, 2024 तक भारत मंडपम में किया जा रहा है। इस आयोजन में नीति निमार्ताओं, नियामकों, वैश्विक निवेशकों, व्यवसाय नेताओं, और खाद्य कंपनियों के प्रमुख अधिकारी शामिल होंगे।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे तथा भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की पहलों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम के पहले दिन एक उच्च स्तरीय मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) का गोलमेज सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा, जिसकी सह-अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और चिराग पासवान करेंगे। रवनीत सिंह बिट्टू भी सीईओ गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय एवं रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी उपस्थित रहेंगे।

अमेजन ने समीर कुमार को भारत का कंट्री मैनेजर किया नियुक्त

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन ने समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' नियुक्त करने का ऐलान किया है। कुमार मौजूदा 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी की जगह लेंगे। वे एक अक्टूबर से भारत की परिचालन संबंधी जिम्मेदारियां संभालेंगे। कंपनी ने बुधवार को शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की जानकारी देते हुए कहा है कि समीर कुमार को भारत का कंट्री मैनेजर नियुक्त किया गया है। अमेजन ने कहा कि भारत के मौजूदा कंट्री मैनेजर मनीष तिवारी के इस्तीफे के बाद कंपनी ने यह फैसला लिया है। कुमार इस बदलाव पर मनीष तिवारी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अमेजन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने एक आंतरिक ई-मेल में कहा कि 25 साल का अनुभव रखने वाले समीर कुमार अब कंपनी के भारत उपभोक्ता व्यवसाय की देख-रेख करेंगे, क्योंकि अमेजन इंडिया के वर्तमान कंट्री मैनेजर मनीष तिवारी ने अमेजन के बाहर अवसर तलाशने का फैसला किया है।

यूएस फेड के फैसले के पहले सतर्क मुद्रा में ग्लोबल मार्केट

नई दिल्ली। एजेंसी

ब्याज दर को लेकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व का फैसला आने के पहले ग्लोबल मार्केट सतर्क मुद्रा में है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सपाट स्तर पर कारोबार करके मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) ब्याज दरों को लेकर अपने फैसले का ऐलान करने वाला है। यूएस फेड के फैसले के पहले पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में सुस्ती का माहौल बना रहा, क्योंकि निवेशक वेट एंड वॉच की मुद्रा में कारोबार करते नजर आए। डाउ जॉन्स 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 5,634.58 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,628.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 41,619.08 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

रिकॉर्ड डेट के बाद दो दिन में ही मिलेगा बोनस शेयर, सेबी ने जारी किया सर्कुलर

नई दिल्ली। एजेंसी

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एक सर्कुलर जारी करके सभी लिस्टेड कंपनियों को रिकॉर्ड डेट के बाद अधिकतम दो कारोबारी दिन में ही बोनस शेयर जारी करने का निर्देश दिया है। अभी तक की व्यवस्था में बोनस शेयर रिकॉर्ड से करीब दो हफ्ते के बाद ही जारी हो पाते हैं। सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि अगर समय सीमा का पालन नहीं किया गया तो दोषी कंपनियों को अर्थदंड (जुमार्ना) का सामना करना पड़ेगा। सेबी के सर्कुलर के मुताबिक ये निर्देश 1 अक्टूबर से प्रभावी हो जाएगा। बोनस शेयर और डिविडेंड जारी करने के लिए कंपनियां रिकॉर्ड डेट तय करती हैं। रिकॉर्ड डेट वो तारीख होती है, जिस दिन को कंपनी अपने शेयर होल्डर्स के लिए बोनस या डिविडेंड की योग्यता तय करती हैं। यानी रिकॉर्ड डेट के दिन शेयर होल्डर के पास कंपनी के शेयर उपलब्ध होने चाहिए।

उस तारीख के पहले यदि शेयर होल्डर अपने शेयर बेच देता है, या उस तारीख के बाद कंपनी के शेयर की खरीदारी करता है, तो उसे बोनस या डिविडेंड के लिए पात्र नहीं माना जाता है। सेबी ने अपने सर्कुलर में बोनस शेयर के लिए T+2 ट्रेडिंग डे का प्रावधान किया है। यहां ळ का तात्पर्य रिकॉर्ड डेट से है। इस सर्कुलर में बोनस शेयर जारी करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया है कि अगर समय सीमा के पालन में किसी भी तरह की देरी हुई तो कंपनियों को अर्थदंड का सामना करना पड़ेगा। ये अर्थ दंड सेबी द्वारा 19 अगस्त 2019 को जारी सेबी के सर्कुलर के उसे प्रावधान के तहत लगाया जाएगा, जिसमें सेबी के इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (आईसीडीआर) रेगुलेशंस के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर अर्थदंड लगाने की बात कही गई है।

जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में सहयोग की भावना से ही होगा समृद्धि का मार्ग प्रशस्त

संक्षिप्त समाचार

वैर विधानसभा क्षेत्र में झमाझम बारिश, किसानों के चेहरों पर मायूसी

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह) विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार शाम से अचानक बिगड़े मौसम ने किसानों के चेहरे पर मायूसी छाई हुई है और इलाके का किसान अपनी खेत में खड़ी बाजरे ज्वार की फसल वारिस से खराब होने से बहुत ही चिंता में हैं वैर विधानसभा के क्षेत्र वैर और भुसावर उपखंड में पिछले दो दिन से लगातार हो रही वारिस से किसानों की खेत में खड़ी बाजरे और ज्वार की पकी फसल खराब हो चुकी है तेज वारिस और हवा के झोंके से खेत में खड़ी ज्वार बाजरा की फसल खेत में गिर गई हैं कुछ किसानों ने अपनी खेत में पकी खड़ी फसल को कटवा दिया और ऊपर से दो दिन से वारिस पड़ने से फसल खराब हो चुकी है किसानों ने बताया कि पूर्व में लगातार हुई वारिस से खराब हुई किसानों की फसल का कोई सर्वे सरकार की ओर से नही कराया गया हैं जिससे किसान और परेशानी में पड़ गया हैं वारिस से फसल इतनी खराब हो चुकी है की पशु चारे को खा नही पाएगा

केंद्रीय कौशल विकास, उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी का अभिनंदन

- कृष्ण मुरारी अग्रवाल,राहुल बंसल ने किया स्वागत

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह) चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री जयंत चौधरी और स्थानीय विधायक श्री सुभाष गर्ग के स्वागत और अभिनंदन का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद यह श्री जयंत चौधरी का भरतपुर में प्रथम आगमन होगा। इस कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में चैम्बर भवन, नई मंडी में कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें निर्णय लिया गया कि मंत्री और विधायक के स्वागत के लिए शहर के गणमान्य व्यक्तियों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। स्वागत समारोह को भव्य बनाने के लिए कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को आवश्यक जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।साथ ही, भरतपुर की विभिन्न समस्याओं से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराने और उनके समाधान के लिए एक प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा। इसके अलावा, भरतपुर में एक बड़े कौशल विकास केंद्र की स्थापना की मांग भी की जाएगी, जिसमें श्रमिकों और बेरोजगारों को विभिन्न औद्योगिक कार्यों में प्रशिक्षित किया जा सके।इस बैठक में अध्यक्ष कृष्ण मुरारी अग्रवाल, शंकर अग्रवाल, रजत गर्ग, राकेश मित्तल, प्रमोद अग्रवाल, अमित सिंघल, ओमप्रकाश सिंघल, किशोर खंडेलवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री राहुल बंसल द्वारा दिया गया।

पटवार संघ ने तहसीलदार को राजस्व विभाग सचिव के नाम सौपा ज्ञापन

- आन लाइन गिरदावरी का किया बहिष्कार ,की पेन डाउन हड़ताल
- पूर्व में दिए ज्ञापन पर कोई कार्यवाही नही करने का लगाया आरोप

चमकता राजस्थान /रमेश मोदी। चौमहला /झालावाड़। राजस्थान पटवार संघ के आह्वान पर उप शाखा गंगधार अध्यक्ष राहुल मोरी के नेतृत्व में तहसीलदार गंगधार के द्वारा प्रमुख शासन सचिव राजस्व विभाग जयपुर, राजस्थान को राज खसरा गिरदावरी ऐप में आवश्यक अपेक्षित संशोधन हेतु ज्ञापन 22/8/2024 को दिया गया था। उक्त ज्ञापन अति. भू प्रबंध अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित मीटिंग में जिन बिंदुओं पर संशोधन की सहमति बनी थी उन बिंदुओं पर संशोधन करने हेतु दिया गया था किंतु आज दिनांक तक नवीन राज खसरा गिरदावरी ऐप में संशोधन नहीं होने पर ऑनलाइन गिरदावरी बहिष्कार के साथ आज पेन डाउन हड़ताल रखकर तहसील मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया !
धरने में ज़िला वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन सिंह शेखावत , शोभाराम रेबारी , शांता कुंवर , रमेश सिंह बाहरठ , महेंद्रसिंह हाड़ा ,लोकेश मेहरा,अशोक कुमार यादव, आलोक पलसानिया, तेजवीरसिंह, मुकेश सेवदा , अशोक यादव ,गंगाचरण सिंह,आकाश राजपुरोहित, दीपक आसेरी, सुमन चौधरी, किरण बाला पोरवाल, निकिता, नीतू धाकड़, रोशनी यादव आदि पटवारी उपस्थित रहे ।

नवाचारों को अपनाकर आमजन के प्रति संवेदनशील बनकर करें काम -सहकारिता मंत्री

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 18 सितम्बर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिये सभी एक दूसरे के साथ सहयोग की भावना के साथ काम करें, जिससे कि सहकारिता के माध्यम से समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सके। उन्होंने कहा कि स्थानीय आवश्कताओं और परिस्थितियों को देखते हुये अधिक से अधिक नवाचारों को अपनाकर तथा आमजन के साथ संवेदनशील होकर काम करें। दक ने बुधवार को सहकारिता विभाग में नवनियुक्त 29 सहायक रजिस्ट्रार एवं 40 सहकारिता निरीक्षकों के आमुखीकरण के लिये अपेक्स बैंक के सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि सहकारिता में विकास की अकूत संभावनायें हैं और हमारा प्रयास होना चाहिये कि कोई भी व्यक्ति सहकारिता से वंचित नहीं रहे। उन्होंने नवनियुक्त सहायक रजिस्ट्रार एवं निरीक्षकों से कहा कि आप फील्ड में पारदर्शी एवं खुलेपने के साथ कार्य करें ताकि लोगों की सहकारिता में विश्वसनीयता बढ़े।
सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि सहकारिता का मूल मंत्र ''एक सबके लिये, सब एक के लिये'' में विकास की कभी खत्म न होने वाली उर्जा विद्यमान है। इसलिये हमें सभी को मिलकर कार्य करना होगा।शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारिता की मूल भावना को ध्यान में रखते हुये राज्य सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन करें ताकि वंचित लोगों को योजनाओं को सही समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सहकारिता मूलतः कृषक, कृषि और कृषक कल्याण से संबधित है। इसलिये हमें अपनी मानसिकता को अधिक से अधिक संवेदनशील बनाना होगा।नव नियुक्त अधिकारियों को संबोधित करते हुये शासन सचिव ने कहा कि आपके द्वारा सरकार की योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिये पूर्ण उर्जा के साथ करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में काम करते समय अधिक से अधिक लोगों के साथ जुडने का प्रयास करें ताकि उनकी समस्याओं और आवश्कताओं की पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके।उन्होंने कहा कि आप अधिक से अधिक नियमों की जानकारी रखते हुये कार्य करें ताकि आमजन को परेशानी न हो। इस प्रकार काम करें कि आमजन की समस्याओं का अंतिम पड़ाव आपका कार्यालय ही हो आमुखीकरण समारोह में विशिष्ट सहायक, सहकारिता मंत्री एस. एस. नेगी, संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड, प्रबंध संचालक, अपेक्स बैंक संजय पाठक, तकनीकी सहायक, रजिस्ट्रार कार्तिकेय मिश्र, विशिष्ठ अधिकारी, सहकारिता मंत्री पंकज भानू सिंह, महाप्रबंधक, अपेक्स बैंक संदीप खण्डेलवाल सहित सहकारिता विभाग एवं अपेक्स बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

चिकित्सा मंत्री ने की हितधारकों के साथ चर्चा बढ़ेगा मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का दायरा अस्पतालों के नेटवर्क का होगा विस्तार

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण)। जयपुर/धौलपुर, 18 सितंबर। प्रदेश में संचालित मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का दायरा अब और बढ़ाया जाएगा। इस योजना के तहत राजकीय अस्पतालों के साथ निजी अस्पतालों का नेटवर्क अब गांवों तक भी उपलब्ध हो सकेगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने जन-जन तक इस योजना का लाभ पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी से अस्पतालों का नेटवर्क बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यतानुसार नियमों में बदलाव एवं सरलीकरण किया जाए। साथ ही, योजना से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए ग्रिवांस रिड्रेसल सिस्टम को और मजबूत किया जाए चिकित्सा मंत्री ने यह निर्देश बुधवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित बैठक में योजना से जुड़े विभिन्न हित धारकों के साथ चर्चा के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का उन्नयन एवं विस्तार प्रतिबद्धता के साथ कर रही है! गांव-ढाणी तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं एवं जरूरतमंद लोगों को इलाज खर्च की चिंता से मुक्त करने की दिशा में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना एक महत्वाकांक्षी और मानवीय पहल है। सभी हितधारक संवेदनशील सोच के साथ इस योजना का लाभ आमजन को पहुंचाए।

स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के तहत नदबई के पहरसर एवं गादोली गांव में की सफाई

चमकता राजस्थान।

नदबई (राजवीर सिंह) स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत समृद्ध भारत अभियान संस्था द्वारा नदवई ब्लॉक के पहरसर एवं गादौली गॉव में साफ सफाई कर ग्रामीणों को गांव स्वच्छ रखने के लिएप्रेरित किया। पखवाड़े के तहत आगामी दिनों में 02 दर्जन से अधिक गांवों में साफ सफाई एवं श्रमदान का कार्यकराया जायेगा। संस्था के निदेशक सीताराम गुप्ता ने बताया कि नदबई ब्लॉक के पहरसर एवं गादौली गांवों में ग्रामीणों के सहयोग से प्रमुख मार्गो एवं मौहल्लों में झाड़ू लगाकर साफ सफाई कराई गई और कचरा एकत्रित कर टैक्टर ट्रॉली के द्वारा सुरक्षित स्थान पर डलवाया गया तथा ग्रामीणों से आग्रह किया कि अपने घरों के आसपास के क्षेत्रोंमें भी साफ सफाई रखें। जहां तक संभव हो प्रतिमाह सफाई का अभियान चलाकर प्रमुख मार्गो एवं मोहल्लों की सफाई कराये। ग्रामीणों को साफ सफाई की महत्वता भी समझाई गई। बाद में सभी ने श्रमदान कर प्रमुख रास्तों में भरे वर्षा जल एवं गन्दे पानी की निकासी भी कराई गई।
इस अभियान में संस्था के पुनीत गुप्ता, नरेन्द्र गुप्ता, अनिल गर्ग, पूर्व सरपंच बच्चू सिंह, उत्तम चन्द जैन, महेन्द्र सिंह, मानसिंह, पूर्व चेयरमैनकरनसिंह, प्रदीप सिंह, बलवीर सिंह, मेघशयाम, श्रीमती माडवी,श्रीमती सुशीला , राजवती, विरमा देवी,लीलावती, प्रेमवती का विशेष सहयोग रहा।
गुप्ता ने बताया कि पखवाड़े के तहत नदबई के सहायपुर, लखनपुर, अटारी, टोहिला, गगवाना, रैना, डहरा, खटौटी, बैलारा, कुम्हेर के बौरई, बैलारा कला, बाबूला, सेवर के नगला धर्मसिँह, झारौली, हिण्डौला, विसदा, चितौकरी वैर पंचायत समिति के हलैना, छौंकरवाडा,पाली आदि गांवों में भी स्वच्छता का अभिया नचलाया जायेगा।

घरेलू गैस सिलैण्डरो का व्यवसायिक उपयोग करने पर कार्यवाही

चमकता राजस्थान/कोटपूतली-बहरोड़,(धर्मेंद्र बंसल)। 18 सितंबर । जिला रसद अधिकारी संदीप माथुर, जिला कोटपूतली बहरोड, के द्वारा बताया गया कि खाद्य विभाग द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डरों के व्यवसायिक उपयोग को रोकने के संबंध में चलाये जा रहे अभियान के तहत जिला कोटपूतली-बहरोड में घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यवसायिक उपयोग करने पर जोधपुर स्वीटस, कोटपूतली पर तीन घरेलू सिलेण्डर तथा राजस्थान स्वीटस, बानसूर रोड कोटपूतली पर तीन घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त किए गए।रसद विभाग की टीम द्वारा जिला रसद अधिकारी संदीप माथुर के नेतृत्व में प्रवर्तन निरीक्षक विजयपाल यादव, अमित कुमार एवं विश्राम गुर्जर द्वारा कार्यवाही की गई।घरेलू गैस सिलेण्डरों के दुरूपयोग / अवैध रिफिलिंग इत्यादि के विरूद्ध आगे भी सघन अभियान संचालित किया जायेगा।

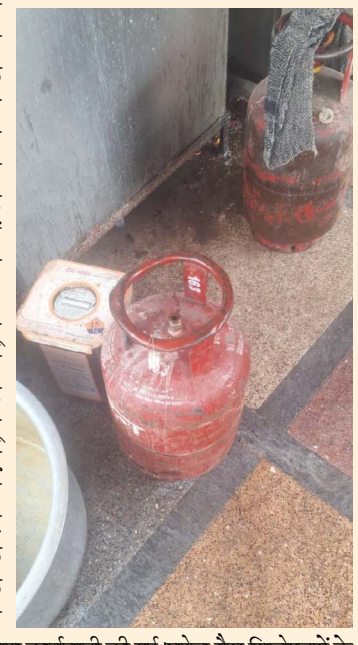

जनसुनवाई और जिला सतर्कता समिति की बैठक 19 सितम्बर को

चमकता राजस्थान/कोटपूतली-बहरोड़(धर्मेंद्र बंसल)। राज्य सरकार द्वारा जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जायेगा।जिला स्तर पर आमजन की परिवेदनाओं के संबंध में जनसुनवाई और जिला सतर्कता समिति की बैठक जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में 19 सितम्बर 2024 गुरूवार को प्रातः 11 बजे पंचायत समिति कोटपुतली के वीसी कक्ष में रखी गई है। जनसुनवाई में परिवादियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र, सतर्कता समिति में दर्ज प्रकरण एवं राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की विस्तृत समीक्षा के साथ त्रिस्तरीय जनसुनवाई के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। उक्त कार्यक्रम में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह का भी आना प्रस्तावित है।

पीएम नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाडा के तहत भाजपा मुख्यालय में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

पीएम नरेन्द्र मोदी ने बढाया विश्व में भारत का मान : मदन राठौड

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से शुरू हुए सेवा पखवाडे के तहत राज्यभर में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की ओर से सेवा के कार्य किए जा रहे हैं। इस कडी में बुधवार को भाजपा जनता युवा मोर्चा की ओर से प्रदेश कार्यालय में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने रक्तदाताओं की हौंसला अफजाई की और इस पुनीत कार्य के लिए सभी कार्यकर्ताओं को तैयार रहने का आ''ान किया।
भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई गाथा लिख रहा है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने विश्व में देश का मान बढाया है और वे विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है। उनके जन्मदिन पर सेवा कार्य के लिए कार्यकर्ताओं में उत्साह है और भाजपा का बूथ स्तर का कार्यकर्ता उनके जन्मदिवस पर शुरू की गई सेवा की मुहीम में आहुति देने के लिए आतुर है। उन्होंने कहा कि

मौसमी बीमारियों के इस मौसम में अस्पतालों में रक्त की कमी हो जाती है, ऐसे में युवा मोर्चा की पहल पर सेवा पखवाडा के तहत रक्तदान शिविरों का आयोजन कर पुनीत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता प्रदेश की जनता के लिए अपने रक्त की एक–एक बूंद समर्पित करने के लिए तैयार है।
युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित गुर्जर चेची ने बताया कि युवा मोर्चा द्वारा संपूर्ण प्रदेश में प्रत्येक जिला स्तर पर 19 सितंबर तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत आज युवा मोर्चा जयपुर शहर की ओर से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में भाग लेने के लिए सुबह से ही युवाओं में उत्साह रहा।
युवा मोर्चा जयपुर शहर जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह पुरुवंशी ने बताया कि रक्तदान शिविर में सैंकडों युवाओं ने रक्तदान किया। जिसमें युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।
इस अवसर पर जयपुर शहर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, सहकारिता मंत्री गौतम दक, विधायक गोपाल शर्मा, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश मंत्री महेन्द्र कुमावत, मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, भाजपा नेता चन्द्रमनोहर बटवाड़ा, महामंत्री तेज सिंह, प्रदेश संयोजक सेवा पखवाड़ा नटवर सिंह किशनपुरा, प्रदेश सह संयोजक सेवा पखवाड़ा विक्रम चौधरी, दीपक शर्मा, जयपुर शहर सदस्यता अभियान संयोजक शैलेन्द्र भार्गव, अनिल शर्मा सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929